हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

20 मार्च, 2002

खण्ड 1, अंक 11

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुंधवार, मार्च 20, 2002

पृश्ठ संख्या

तरांकित प्र न एवं उत्तर	(11) 1
नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर	(11) 14
भाोक प्रस्ताव	(11)27

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(11)28
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(11)29
नियम 16 के अधिन प्रस्ताव	(11)30
समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(11)30
प्राक्कलन समिति की 33 वी रिपोर्ट	(11)30
विधान कार्य	(11)30
(i) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न0 1) बिल, 2002	(11)30
(ii) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न0 2) बिल, 2002	(11)32
(iii) दि हरियाणा सिविल सर्विसिज (ऐग्जक्यूटिव ब्राच) एंड एलाइड सर्विसिज एंड अंदर सिर्विजिस कामंन/कम्बाइंड ऐग्जामिने ान बिल, 2002	(11)46
(iv) दि हरियाणा एपांर्टमैंट आनरि ाप (अमैडमैंट) बिल, 2002	(11)49
(v) दि हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली (अलाउन्सिज एंड पें ान आफ मैम्बर्ज) अमैडमैंट बिल, 2002	(11)50
(vi) दि हरियाणा सैलरीज एंउ अलाउन्सिज आफ मिनिस्टर्ज (अमैडमैंट) बिल, 2002	(11)53
धन्यवाद	(11)55

हरियाणा विधान सभा

बुधवार 20 मार्च, 2002

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तरांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल जवाब होगे।

Opening of Veretinary Hospital

926. Shri Lita Ram: Will the Minister of State Animal Husbandry be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open new Veretinary Hospital/Dispensary at Dohar, Dayora and Jayawanti in Kaithal Constituency, if so, the details, thereof ?

प ाुपालन राज्य मंत्री (चौ. मोहम्मद इलियास): गांव जयवन्ती तथा दयोरा मे प ाु अस्पतालो के लिये भवनो का निर्माण हो चुका है व इन सस्थाओ के लिये अमल की स्वीकृति का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

गांव दोहरा मे प ाु ओशधालय पहले से कार्यरत है तथा यह प ाु औशधालय अब 2001 मे प ाु चिकित्सालय एवम प्रजनन केन्द्र मे अपग्रेड कर दिया गया है और अमला भी स्वीकृत हो चुका है।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा मे चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व मे जहां सरकार ने हर क्षेत्र मे विकास के नये आयाम स्थापित किए है वहीं पु ा विभाग मे भी अनेक उन्नति हुई है, तरक्की हुई है। मै आपके माध्यम से इसके लिए आदरणीय मंत्री जी का और हरियाणा सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, आज प ाु धन भी गरीब आदमी की जीविका का एक साधन बन चुका है वे लोग प ाुओ को पालकर उनसे दूध लेकर अपना गुजारा करते है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने इस क्षेत्र मे अनेक विकास कार्य किए है। मै आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से मांग करना चाहूगा कि जिस प्रकार से कैथल की अनाज मंडी पूरे हरियाणा प्रदे ा मे अनाज के क्षेत्र मे एक नम्बर की मंडी है ठीक उसी प्रकार से प ाु धन के मामले मे भी कैथल जिला पूरे हरियाणा मे प्रथम स्थान पर है, वहां के लोग काफी मात्रा मे प ाु पालते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे कई गांव ऐसे है जिनमे प ाु अस्पताल नही है। इसलिए मै मांग करूंगा कि अटेला, उझाना, मानस, कुलतारण, भानपुर और ढाडीखेडी गावों के अंदर नये पु ा औशधालय बनाए जाए। इसके अलावा टीक गांव मे अंद जो प ाुओ की दंवाइया का प ाु औशधालय है उसको भी अपग्रेड किए जाए। अध्यक्ष महोदय, मै इसी विभाग से सबंधित एक और मांग करना चाहूगा। पिछले दिनो आदरणीय मुख्यमंत्री जी कैथल गए थे वहा पर उन्होने एक चीलिंग प्लांट का ि ालान्यास भी किया था। अब हमने उसके लिए जमीन भी दी है। मै चाहूगा कि क्योकि यह भी प ाुओ से ही

जुडा हुआ मामला है इसलिए वहा पर एक मिल्क प्लांट भी लगाया जाये।

चौ. मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, जैसा मेरे साथी भाई लीला राम जी ने पूछा है और मुखतलिफ अपने हल्के के गांवो का नाम भी उन्होने प ा औशधालय खोलने के लिए लिया है। मै इसके लिए आदरणीय विधायक जी से चाहूगा कि वे जहा जहां मुनासिब समझते है लिखकर अपना नोट दे दे। हमारा जो होस्पीटल खोलने का नार्म है यदि उसको वे पूरा करते होगे तेा हम सर्वे करा लेगे, सही होगा तो हम जरूर उस पर विचार करेगे। जहा तक मिल्क प्लांट को लगाने की बात है वैसे तो यह हमारे महकमे का सवाल नही है यह कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट से संबधित है लेकिन फिर भी इसका दूध से सबंध होने की वजह से यह मामला मेरे विभाग से ताल्लुक रखता है। ये मैरे पास इस बारे मे लिखकर भेद दे मै कोआप्रेटिव डिपार्टमैट को फाईल भेज दूंगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह पर्टिकुलर क्वै चन है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि 'सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री जी श्री ओमप्रका ा चौटाला जी ने जिन अस्पतालो/प ा अस्पतालो को बनाने की घोशण की थी उकनी बिल्डिंग बन चुकी है लेकिन डाक्टरो की, वैटरनी सर्जनो की और कंपाउडरो की कमी के कारण 4—4,5—5 गांवो मे एक एक डाक्टर की ड्यूटी लगा रखी है जिससे इन औशधालयो मे एक एक दिन उनका मु कल से आता है जिससे वहां के लोगो को काफी दिक्कते होतीहै। क्या इन औशधालयों मे डाक्टर या कंपाउडंर की भर्ती करने का कोई

प्रस्ताव विचाराधीन है अगर तो कब तक डाक्टर यह कंपाउडंर उनमे भेज दिए जाएगे ?

चौ. मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए माननीय सदस्य को जानकारी देना चाहता हू कि आदरणीय श्री ओम प्रका ा चौटाला जी सरकार आने से पूर्व पिछले 10 सालो से हमारे बहुत से अस्पतालो/औशधालयों मे स्टाफ नही था। लेकिन अब वहां स्टाफ के लिए आदरणीय श्री ओमप्रका ा चौटाला जी ने स्वीकृति दे दी है। जहा तक भर्ती का ताल्लुक है सिर्फ दो ढाई साल के अर्से मे 136 वैटरनरी सर्जन भर्ती किए गए है और 256 वी0एल0डी0 भर्ती किए जा चुके है। इसके अतिरिक्त ऐक्स सिर्विसमैन कैडर से जो पोस्टे भरनी थी उनकी एक हफते पहले सैक ान आई है, इनको भी बहुत जल्दी भर दिया जाएगा। जहां तक डाक्टरो की बात है, जिन औशधालयो मे डाक्टर नही है आप लिखकर दे दे वहां डाक्टरों की पोस्टिंग कर दी जाएगी।

श्री सूरज मलंः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव मुरथल मे एक प ाु औशधालय बिल्कुल बेकार हो चुका है, उसकी छत गिर चुकी है मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उसकी कब तक रिपेयर करा दी जायेगी?

चौ. मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय सदस्य श्री सूरज मल जी ने बताया है कि उनके हल्के गांव मे अस्पताल की हालत अच्छी नही है। सही तो यह है कि आदरणीय चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार आने से पूर्व पिछले 10–15 सालो से प्रदे ा के अंदर जितनी भी अस्पताल की

बिल्डिंगज थी उनकी हालत बहुत खराब थी, जर्जर थी। आदरणीय चौधरी ओमप्रका ा चौटाला ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से फेज से फेज एक के अन्दर एच.आर.डी.एफ. से करीब 781.32 लाख रूपये सैक ान किये है। जिसमे से अब तक 735.75 लाख रूपये रिलीज हो चुके है और फेज दो के अन्दर 412.01 लाख रूपये सैक ांन किये है जिनमे से 399.02 लाख रूपये रिलीज हो चुके है। इसलिए मै आदरणीय विधायक जी को यह आ वासन देना चाहता हू कि अभी हमने पिछले दिनो माननीय मुख्यमंत्री जी की कवायद मे एक मीटिंग की थी जिससमे यह फेसला लिया गया कि जैसे दूसरे महकमे नाबार्ड से पैसे ले रहे है उसी प्रकार से हम भी नाबार्ड से पैसे लेगे इस बात पर विचार विर्म ा हो रहा है और नाबार्ड वाले मान भी गये है। हमने पूरे प्रदे ा से एस्टिमैंट भी मगाये हुये है। हमारे पास 436256000 के एरिस्ट आ चुके है। हम माननीय विधायक जी के मुरथल गांव के औशधालय का सर्वे करायेगे और अगर वाकई मे उसकी हालत खराब है तो जल्दी से जल्दी उसकी मरम्मत करा दी जाएगी, ऐसा मै विधायक को आ वासन देना चाहूगा।

श्री रमे ा कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि प ाुपालन विभाग मे कुल कितनी पोस्टे है ओर हमारे सरकार आने के बाद कितने नये पु ा औशधालय बनाने के लिए स्वीकृति दी गई है और उनके लिए क्या नार्म्ज रखे गये है। ? कृपया करके मंत्री जी बताये।

चौ. मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी माननीय रमे ा कुमार खटक जी ने जो बात पूछी है कि नये होस्पिटल और नये प ा औशधालय खोलने के लिए क्या नार्म्ज है। अध्यक्ष महोदय, नये होस्पिटल खोलने के लिए हमारे नार्म्ज यह है कि जिस गांव के अन्दर प ाओ की संख्या दो हजारा होती है और गांव की जनसख्यां पांच हजार के करीब होती है वहां प ा होस्पिटल खोला जाता है और इसी तरह जिस गांव मे प ाओ की सख्या एक हजार होती है और मनुश्यो की आबादी दो हजारा होती है वहां पर प ा औशधालय खोलना जजाता है। जहां तक नये होस्पिटल और प ा औशधालय खोलने की बात है, अध्यक्ष महोदय, 10–15 साल पहले से इस महकमे को किसी ने नही देखां । आज हरियाणा सरकार और आदरणीय वजीरेआला चौधरी ओमप्रका ा चौटाला बधाई के पात्र है उन्होने 2001 से 2002 मे आज तक कितने होस्पिटल और प ा औशधालयो खोले है, अगर आप इजाजत दे तो मै उस सब के नाम पढ कर बता सकता हू।

श्री अध्यक्षः नही, पढने की जरूरत नही है।

डा. सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि डबवाली हल्के के गांव पीपली प ा औशधालय के वैटनरी डाक्टर को काफी समय पहले एक्सीडैटल मे डैथ हो गई थी। इसके बारे मे हमने लिखकर भी भेजा था कि वहा कि पोस्ट वैकेट है लेकिन अब तक उस पोस्ट को भरा नही गया है। उस गांव के आसपास 5–6 गांव लगते है। मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हू कि इस पोस्ट को जल्द से जल्द भरने की कृपा करे। इसके साथ साथ मै यह भी

जानना चाहता हू कि जो नये प ा औशधालय बनकर तैयार हो गये है उनके अन्दर बहुत सी पोस्टे डाक्टर्ज और वी0एल0डी0 की वैकेट पडी है उनको कब तक भर दिया जायेगा ?

चौ. मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय मै आदरणीय डाक्टर साहब को बताना चाहूंगा कि जहां तक डाक्टर्ज की कमी की बात है उसके बारे मे मैने सदन को पहली ही अवगत करा दिया है कि इन दो अढाई सालो मे जितनी भर्ती हमारे महकमे मे हुई है इनती भाायद 10–15 सालो मे नही होगी। जहां तक अस्पतालो मे वैकेट पोस्टो की बात है तो माननीय साथी लिखकर दे दे, उनको जल्द ही भर दिया जाएगा। इसके अलावा भी जहां कही पर अस्पतालो मे वैकेंट पोस्टे होगी, उनको बहुत ही जल्द हम भरने की कोि ा ा करेगे।

श्री जसबीर मलौराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से अनुरोध कंरूगा कि मेरे गांव मे भी जो वेटनरी होस्पिटल आज से 25 साल पहले बना था उसकी बिल्डिंग गिर चुकी है, डाक्टर्ज के क्वाटर्स भी गिर चुके है। पिछले दिनो इस बारे मे डिपार्टमैंट के थ्रु केस भिजवाया गया था। उसके बाद बिल्डिंग के लिए पैसा रिलीज हो गया और बिल्डिंग बन भी गई है। डाक्टर्ज के क्वाटर्ज बनाने के लिए उसका यू.सी. भेज दिया है, पैसा रिलीज कर दिया जाए। मेरे गांव के आस पास 8 गांव है और होस्पिटल मेरे गांव मे है। रात के समय जब कोई पु ा बीमार हो जाता है तो उसको होस्पिटल मे लाया जाता है लेकिन वहा डाक्टर नही होते क्योकि वही पर क्वाटर्ज न होने के कारण वे अम्बाला भाहर मे रहते है। इसलिए जब तक वहां क्वाटर्ज नही

बनते तक तक डाक्टर्ज वहां कैसे रह सकते है? वहां बडी दिक्कत है। इसलिए मै मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि हमारे पैण्डिग पैसे को जल्दी रिलीज करके जल्दी वहा डाक्टर्ज बनवाने का कश्ट करवाया जाए।

चौ. मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय जैसे मैने पूरे हाउस को अवगत कराया है कि एच0आर0डी0एफ0 से कितनी रा ि ा सैक ान हुई है और कितनी रिलीज कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, मै मलौर साहब के गांव का नही बल्कि मै पूरे प्रदे ा का ब्यौरा हाउस मे दे रहा हू कि हमने नाबार्ड से लोन लेने का प्रस्ताव रखा है और प्रस्ताव विचाराधीन है हमने पूरे प्रदे ा से जिला वाइज एस्टीमेट मंगाए हुए है जैसे मैने अभी बताया था कि अब तक 896 एस्ओमैटस पूरे प्रदे ा से आ चुके है। हमारा 43 करोड 62 लाख 56 हजार रूपये नाबार्ड से लोन लेने का प्रावधान है। जैसे ही लोन की व्यवस्था होगी, मलौर जी के गांव मे ही नही बल्कि पूरे हरियाणा प्रदे ा मे जितने भी होस्पिटल है यह प ा औशधालय है, सबकी बकायदा मुरम्मत की जाएगी, नई बिल्डिग भी बनाई जाएगी, इसलिए मै माननीय साथी को आ वासन देता हू कि आने वाले समय मे इनको यहां होस्पिटल मे डाक्टर्ज के क्वाटर्ज की बिल्डिंग भी बना दी जाएगी।

Upgradation for Patudi and Bhora Kalan, High School

964. Shri Ram Bir: Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Government High

School, Bhora Kalan and Pataudi into 10+2 in Pataudi Constituency; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Schools are likely to be upgraded?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चोधरी बहादुर सिंह): (क) और (ख) सरकार ने पहले ही पत्र दिनांक 12.2.2002 अनुसार राजकीय उच्च विधालय भौडा कंला तथा पटौदी को राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक विधालय बना दिया है। ये विधालय आगामी भौक्षणिक स्तर से कार्य करना आरम्भ कर देगे।

श्री रामबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, पटौदी और भौडा कंला के स्कूलो को दर्जा बढाकर प्लस टू स्कूल करने की बहुत बडी माग थी जिसको मुख्यमंत्री महोदय ने अपनी मंजूरी देकर पूरा कर दिया है। इसके लिए मै माननीय मुंख्यमंत्री महोदय, हरियाणा सरकार का और ि ाक्षा राज्य मंत्री का पटौदी विधानसभा क्षेत्र के लोगो की तरफ से आभार प्रकट करता हू। लेकिन मै एक बात अव य कहना चाहूगा कि पटौदी का राजकीय माध्यमिक विधायल 135 साल पुराना था। पटौदी कस्बा है, तहसील है और ब्लाक है उसकी यह मांग बहुत दिनो से थी। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने इसका पूरा किया, इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद। भौडा कंला विधालय के बारे मे मै यह अव य कहना चाहता हू कि यह विधालय पिछली सरकार से अपग्रेड किया गया था। पिछली सरकार के ि ाक्षा मंत्री राम बिलास भार्मा जी ने उसको अपग्रेड किया था, उसको लिए पत्थर भी रखा था। लेकिन उस समय इन दोनो पार्टीज का इतना तालमेल था कि हरियाणा विकास पार्टी के

तत्तकीन मंत्री जो पटौदी विधान सभा क्षेत्र के उस समय सदस्य थे, उन्होने 22 जुलाई 1999 को यह आर्डर निरस्त कराए और उसको दोबारा से हाई स्कूल बना दिया गया। अध्यक्ष महोदय, दुनिया तो विकास करती है लेकिन उनकी पार्टी का नाम तो विकास पार्टी था लेकिन उन्होने काम विना ा करने का किया क्योकि एक मंत्री पत्थर लगाकर उसको अपग्रेड करने का करता है और दूसरा मंत्री उसको उखाडने का काम करता है। 22 जुलाई, 1999 को जिस दिन बंसी लाल की सरकार गिर रही है। उस दिन पत्थर को निरस्त करके डी ग्रेड करके उस को दोबारा हाई स्कूल बना दिया गया। भौडा कंला बहुत बडा गावं है, तकरीबन 10 हजारा वोट उसं गांव के है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने भौडा कंला और पटौदी गांवो को जो सम्मान दिया है उसके लिए मै इनका धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै आपके माध्यम से एक पूरक प्र ान करना चाहूगा कि जैसा कि माननीय ि ाक्षा मंत्री ने कहा कि जो स्कूल नार्म्ज पूरे करते होगे उन्हे अपग्रेड कर दिया जायेगा। मेरे हल्के ने नूरगढ, खौड और बादली गावो के हाई स्कूल अपग्रेड होने के नार्म्ज पूरे करते है क्या इन्हे भी जमा दो स्कूलो मे अपग्रेड किया जायेगा ?

चौधरी बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिन स्कूलो का माननीय साथी ने जिकर किया है यदि इन स्कूलो को अपग्रेड करने का केस हमारे पास आया होगा तो हम इनको एग्जामिन करवाकर इन्हे अपग्रेड करने बारे विचार कर लिया जायेगा।

श्री भाि ा परमारः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मुढंाल मे 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत धनाणा और

मिथाथल गांवो के स्कूल जमा दो तक अपग्रेड करने की ओर गांव सिरसा घोघडा का स्कूल पांचवी से आठवीं तक अपग्रेड करने की घोशणा माननीय मुख्यमंत्री जी ने की थी, इसके अतिरिक्त मालपोस गांव का स्कूल भी अपग्रेड किया जाना है। ये स्कूल अपग्रेड करने के नार्म्ज पूरे करते है और इनकी अपग्रेडे ान का केस एक डेढ साल से ि ाक्षा मंत्री जी के यहां आया हुआ है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूगा कि क्या इन स्कूलो का दर्जा बढाया जायेगा ताकि बच्चो मे ि ाक्षा का प्रसार प्रचार हो सके?

चौधरी बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूगा कि हमने 146 स्कूलो को अपग्रेड करने के लिए विचार किया है और माननीय साथी ने जो नाम बताये है यदि उनमे से कुछ स्कूल इस लिस्ट मे भाामिल है वे तो अपग्रेड हो जायेगे लेकिन जिन दूसरे स्कूलो को अपग्रेड करने के बारे मे ये कह रहे है, यदि वे नार्म्ज पूरे करते होगे तो उनको एग्जामिन करवाकर अपग्रेड करने बारे विचार कर लिया जायेगा।

श्री बंलवत सिह सढौरः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि मेरे हल्के के गांव मलिकपुर बांगरा, सैरावां और नगल राजपुतान के स्कूलो को जमा दो मे अपग्रेड करने बारे केस 5–6 महीने से ि ाक्षा मंत्री जी के यहां आया हुआ है। ये स्कूल अपग्रेड ान के नार्म्ज भी पूरे करते है। क्या इनको अपग्रेड किया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने आपके माध्यम से अभी पूरे सदन को बताया कि हमने 146 स्कूलो को अपग्रेड करने के लिए विचार किया है और माननीय साथी ने जो नाम बताये है कि वे इस लिस्ट मे भाामिल है या नही य तो मै नही बता सकता। अगर ये स्कूल इस लिस्ट मे भाामिल होगे तो अपग्रेड हो जायेगे और अगर नही है तो यदि वे नार्म्ज पूरे करते होगे तो उनको एग्जामिन करवाकर अपग्रेड करने बारे विचार कर लियाा जायेगा।

प्रो. राम भगतः स्पीकर साहब, नये एकेडमिक सै ान हरियाणा सरकार ''सर्व ि ाक्षा अभियान'' भाुरू कर रही है जिसके तहत स्कूलो के केडर मे, स्ट्रैक्चर मे परिवर्तन आना है। इस अभियान के तहत दो किस्म के स्कूल ही हरियाणा मे रहेगे। एक तो पहली कक्षा से आठवी कक्षा तक और दूसरे नौवी कक्षा से बारहवी कक्षा तक। अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जो स्कूल आठवी से दंसवी तक अपग्रेड होने के बारे मे सरकार के पास विचारधीन है क्या उनको सीधा आठवी से जमा दो के स्कूलो अपग्रेड किया जायेगा तथा जो मौजूदा हाई स्कूल है उनको भी डायरैक्ट जमा दो के स्कूलो मे अपग्रेड किया जायेगा या उनको रिवर्ट किया जायेगा, इस बारे सरकार ने क्या क्राईटेरिया रखा हे उस बारे बताये ? अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै आपके माध्यम से यह भी जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के के गांव माजरा के स्कूल को आठवी से दंसवी तक अपग्रेड करने बारे मुख्यमंत्री जी ने घोशणा की थी ओर गांव पूठी के मिडल कन्या स्कूल को भी हाई स्कूल मे

अपग्रेड करना था। वे दोनो स्कूल अपग्रेड होने के नार्म्ज भी पूरे करते है। इनकी क्या स्थिति है, यह भी मंत्री जी बता दे ?

चौधरी बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि ''सर्व ि ाक्षा अभियान'' सरकार ने 1.4.2002 से चलाने जा रही है। उसकी अभी स्टडी कर रहे है उसको जो पालिसी होगी, उससे माननीय साथी को अवगत करवा दिया जायेगा। जंहा तक माननीय साथी ने स्कूलो को अपग्रेड करने बारे प्र ान पूछा है उस बारे मैने पहले भी बताया है कि हमने 146 स्कूलो को अपग्रेड करने के लिए विचार किया है और माननीय साथी ने जो नाम बताये है वे इस लिस्ट मे भाामिल है या नही, मै नही बता सकता। अगर ये स्कूल इस लिस्ट मे भाामिल होगे तो अपग्रेड हो जायेगे और अगर नही है तो यदि वे नार्म्ज पूरे करते होगे तो उनको एग्जामिन करवाकर अपग्रेड करने बारे विचार कर लियाा जायेगा।

श्री राम कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या गोहाना कन्याओ का महाविधालय बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है यदि हां तो कब तक बनाया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से साथी को बताना चाहूगा कि इस तरह का कोई भी प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै जो सवाल पूछना चाहता हू वह इसी मूल सवाल से मिलता जुलता सवाल है।

माननीय ि ाक्षा मंत्री जी पूरी तैयार करके आते है। ये कभी भी कोई जवाब देने मे हिचकिचाते नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इजाजत से मंत्री जी को बतना चाहता हू कि मेरे क्षेत्र मे मिट्टी सुनैरा एक गांव ह। इस गांव एक जी0बी0टी0 ट्रैनिग सैन्टर है। जी0बी0टी0 ट्रैनिग सैन्टर मे जो बच्चे दाखिला लेते है उनकी कम से कम क्वालिफिके ान प्लस टू है इस वक्त जिस गांव मे यह सैटंर चल रहा है वही का स्कूल मैट्रिक तक ही है। इस सैंटर मे जो बच्चे जी0बी0टी0 ट्रैनिग के लिए दाखिला लेगे उसकी क्वालिफिके ान प्लस टू है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या उस स्कूल का दर्जा बढाकर कुछ रिलीफ देकर उसको प्लस टू का स्कूल अपग्रेड करेगे ताकि उस स्कूल प्लस टू के बाद बच्चे जी0बी0टी0 ट्रैनिग के लिए दाखिला ले सके ?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहता हू कि अगर ऐसी पोजी ान है तो उसका ये केस बनवा कर के भेजे, अगर नार्म्ज पूरे है तो उस पर अव य विचार किया जायेगा।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूगा कि मेरे हल्के मे नांगल कंला एक गांव है। वहां पर लडकियों का कोई स्कूल प्लस टू का नही है। मै माननीय मंत्री जी के नोटिस मे भी लाना चाहूगा कि जब वे 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत वहा पर गये थे तो उस वक्त भी हमने यह मांग चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी को लिख कर दी थी। उस वक्त उसमे अपग्रेड करने के लिए कुछ नार्म्ज कम रह गए थे। अब वे नार्म्ज पूरे कर दिये गये है। मै मंत्री जी को यह भी बताना

चाहूगा कि वहां पर 20–25 गावों मे एक भी स्कूल प्लस टू का लडकियो का नही है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि लडकियो के इस स्कूल को कब तक प्लस टू बना दिया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यदि इन्होने उसके नार्म्ज पूरे करवा दिये है तो वहा के डी.ई.ओ. के माध्यम से केस बनवा कर यहां पर भिजवा दे। मै भी डी.ई.ओ. को कह दूंगा। अगर नार्म्ज हो गए है तो उस पर विचार कर लिया जायेगा और लडकियो के इस स्कूल को जरूर अपग्रेड किया जायेगा।

डा0 मालिक चन्द गम्भीरः स्पीकर साहब, मै माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हू कि यमुनानगर एक ऐसा हल्का है जहां पर लडकियो का या लडको का कोई भी सरकारी कालेज नही है। इसके साथ साथ मे मंत्री जी के नोटिस मे यह भी लाना चाहूंगा कि यमुनानगर भाहर एक इण्डस्ट्रियल टाउन है और वहां पर गरीब लोग भी काफी रहते है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या सरकार का यमुनानगर मे लडको का या लडकियो का कोई गवर्नमैंट कालेज खोलने का प्रस्ताव है ?

चौ. बहादुर सिहः अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर मे कालेजिज की पहले ही कोई कमी नही है। वहां पर पहले की काफी कालेजिज है। वहा से अभी तक सरकार कालेज खोले जाने की कोई डिमांड भी नही आयी है। यदि वहां से कोई डिमाण्ड आयेगी तो उसको कन्सीडर कर लेगे लेकिन फिलहाल सरकार का वहा पर कोई भी सरकारी कांलेज खोलने विचारधीन नही है।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूगा कि मेरे हल्के के चौटाला गांव मे एक जे.बी.टी. और आई.टी.आई. सैन्टर मंजूर किया गया था। मै आपके माध्यम से मंत्री जी जानना चाहता हू कि ये दोनो सैन्टर कम तक भाुरू हो जायेगे ? अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मे मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हू कि मेरे हल्के के अन्दर जो गोरीवाला गांव का स्कूल है। उस स्कूल को प्लस टू तक कब तक अपग्रेड कर दिया जायेगा। यह गांव वैसे भी वहा पर 8–10 गांवो के बीच मे पडता है। मै मंत्री जी के नोटिस मे यह भी लाना चाहता हू कि इस स्कूल के अपग्रेडे ान का केस मंत्री जी के पास आया हुआ भी है। इस स्कूल को हाई स्कूल प्लस टू का दर्जा देने का प्रस्ताव है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि इस स्कूल को कब तक अपग्रेड कर दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मै एक सवाल और पूछना चाहता हू कि डबावाली भाहर के अन्दर आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने घोशणा की थी की जो लडकियो का स्कूल है उसका दर्जा भी 10+2 का किया जायेगा। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि मेरे हल्के के ये सारे कार्य कब तक हो जायेगे ?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, डाक्टर साहब ने आज सुबह ही मुझे ये नाम बताए है। मै इन्हे अपने विभाग से चैक करवाऊगा। यदि ये मेरे आफिस मे आना चाहते तो ये आ भी सकते है। यदि वे स्कूल नार्म्ज पूरे करते होगे तो उन पर जरूर विचार किया जायेगा। मै इनसे फिर अनुरोध करूंगा कि ये अपने

स्कूलो के सबंध मे मेरे आफिस मे आ जाये वहां पर देखकर इनको सारी स्थिति के बारे मे बता दिया जायेगा।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व मे चल रही नीतिगत योजनाओ के अन्तर्गत औरइनके स्वय ''सरकार आपके द्वारा'' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्यमंत्री जी से लोगो ने मेवात मे गर्ल्ज कालेज खोलने के लिए अनुरोध किया था, उस अनुरोध को दृश्टिगत रखते हुए और भौक्षणिक दृश्टि से क्या सरकार मेवात मे कोई गर्ल्ज कालेज खोलने का विचार है ? क्योकि मेवात क्षेत्र सबसे पिछडा क्षेंत्र है मेवात मे एक भी गर्ल्ज कालेज नही है। वहा पर पचांयत ने इस के लिए अपनी जमीन देने का प्रस्ताव भी पास किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, लडकियो की ि ाक्षा आज बहुत जरूरी है।

श्री अध्यक्षः रावत साहब, आप सप्लीमैन्ट्री पूछे।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या पर जांब ओरिएन्अेड कोर्सिस भ्ारू करने के लिए सरकार विचार करेगी? बल्बगढ, हथीन जो मेवात क्षेत्र मे पडता है वही पर गर्ल्ज कालेज खोलने का अनुरोध भी मुख्यमंत्री जी से किया गया था। मेरे कहने का मतलब यह है कि लोगो के अनुरोध पर मुख्यमंत्री जी ने उस स्वीकृत करते हुये विचारणीय विशय समझा था। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या सरकार इस पर विचार कर रही है?

10.00 बजे

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई प्रपोजल सरकार के पास नही आई है अगर रावत साहब के प्रपोजल बनवा कर भिजवायेगे और जितनी भी इनकी बात होगी उस पर जरूर विचार कर लिया जाएगा। स्पीकर साहब, लडकियों की ि ाक्षा की तरफ हमारी स्कूल खास ध्यान दे रही है और जहां लडकियो की ि ाक्षा की कमी है उसको दूर करने के लिए लडकियो की ि ाक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार कटिबद्ध है।

श्री नफे सिंह जुण्डलाः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव साहपुर के स्कूल का मैट्रिक से प्लस टू के अपग्रेडे ान का केस डी.ई.ओ.के. थ्रु सरकार के पास पहुचा हुआ है। मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि साहपुर गांव के स्कूल को कब तक अपग्रेड ान करके 10+2 बनाया जाएगा ? अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव अलावल और गांव दादुपूर के लोग वहां के स्कूलो को अपग्रेड करने के मामले 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्यमंत्री जी के पास डिमाण्ड के रूपये लेकर गए थे लेकिन उस समय वह स्कूल नार्म्ज पूरी नही करते थे, लेकिन अब उनके नार्म्ज पूरे हो चुके है क्या मंत्री महोदय यह बताएगे कि क्या उनको भी अपग्रेड किया जाएगा?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपकें माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की अगर अनाउंसमैट है और वह स्कूल नार्म्ज पूरे करते है तो ऐसे स्कूलो को अपग्रेड ान करने बारे जरूर विचार किया जाएगा तथा उनको अपग्रेड करने की कोि ा ा भी की जाएगी।

श्री रमे ा राणाः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने घरौण्डा के अन्दर जब खुला दरबारा लगाया था तो उस समय घरौण्डा की जनता ने वहां कन्या महाविधालय खोलने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का आवेदन किया था तथा मुख्यमंत्री जी ने यह वि वास दिलाया था कि इस पर साहनुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। मै मनानीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या घरोण्डा मे कन्या महा विधालय खोलने का सरकार का कोई विचार है ? अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के घरौण्डा के अन्दर तकरीबन 50 हजारा की आबादी है और वहा प्लस टू का लडकियो का एक ही स्कूल है और वह भी आधा एडक भूमि के अन्दर चल रहा है और उसमे दो ि ाफटे लगती है। जिसके कारण बच्चियो को स्कूल मे रात हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, मै सरकार से यह आ वासन चाहूगा कि सहानुभूतिपूर्वक विचार करके इस स्कूल को भी किसी खुली जगह पर बनाए जाए जिससे बच्चियां एक ही ि ाफ्ट मे पढ सके।

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि घरौण्डा मे एक कालेज पहले जी चल रहा है तथा करनाल घरौण्डा के बिल्कुल नजदीक पडता है इसलिए मेरे ख्याल से हर जगह पर कालेज खोलने की कोई आव यकता नही है। जहा तक दूसरे प्लस टू स्कूल का सबध है यदि उसमे बिल्डिंग वगैरा की कमी है, वह हम देख लेगे और उसके एक्सपै ांन के लिए इन्ताजाम कर दिया जाएगा।

Providing of Basic Amenities in Schools

844. Shri Amar Singh Dhandey @ Ch. Nafe Singh: Will the Minister of State for Education be pleased to state whether it is fact that there is secarcity of basic amenities in Government Schools in the State; if so, the steps taken or proposed to be taken to provide the said amenities in the Schools ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): राज्य के अधिकतर विधालयो मे मूल सुविधाए जैसे भवन, खेल के मैदान, पीने के पानी, भाोचालय तथा फर्नीचर आदि उपलब्ध है। फिर भी सभी विधालयो मे इन सुविधाए का स्तर सन्तोशजनक नही है। 8623 प्राथमिक विधालयो मे से 8469 विधालयो मे पर्याप्त कमरे है। 7516 विधायलयो मे पीने के पानी की सुविधा, 6068 मै भाौचालयो की सुविधा उपलब्ध है।

राज्य मे 3893 माध्यमिक/उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक विधालय है जिनमे से 3568 विधालयो मे पीने के पानी की सुविधा, 2776 विधालयो मे भाोचालयो की सुविधा, 3489 विधालयो मे खेल के मैदान तथा 3529 मे चारदवारी उपलब्ध है। माध्यमिक स्तर तक के विधालयो मे ये सुविधाए सर्व ि ाक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत पर्याप्त मात्रा मे प्रदान की गई है। जो कि 16–14 वर्श आयु वर्ग के बच्चो के लिए चलाया जाने वाला एक राश्ट्रीय कार्यक्रम है जिसे भारत सरका की वितीय भागीदारी से 1.4.2002 से लागू किया जाना है। सरकार ऐसी सुविधाए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओ के अन्तर्गत जैसे जवाहर ग्राम समृद्ध योजना, रोजगार आ वासन योजना, विकेन्द्रियकरण योजना, सांसद लोकल क्षेत्र विकास फण्ड योजना, हरियाणा ग्रामीण विकास निधि बोर्ड

और बजट प्रावधान तथा जनता के प्रयत्नो से उपलब्ध करवाने के बारे पूर्ण प्रयत्न कर रही है।

श्री अमर सिंह ढांडेः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री से जानना चाहूगा कि राज्य मे कुल कितने ऐसे विधालय है जिनमे मूलभूत सुविधाओ की कमी है और सरकार इस काम को पूरा करने के लिए क्या ठोस कदम उठा रही है ?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जंहा तक कामो का सवाल है हमारे प्रदे ा के अन्दर 8123 ग्रामीण विधालय है। इसमे 154 विधालय ऐसे है जिनमे कमरो की कमी है, 1107 विधालयो मे पीने के पानी की कमी है। 2555 प्राइमरी विधालयो क्रम ाः 3568 और 3893 है जिनमे से 295 विधालयो मे पीने के पानी की कमी है, 1117 विधालयो मे भाौचालयो की कमी है, 404 विधालयों मे खेल मैदान की कमी है और 364 विधालयो मे चार दीवारी नही है। इस वर्श के अन्तर्गत जवाहर ग्राम समृद्ध योजना के अन्तर्गत DEEP and NON-DPEP जिलों को एक करोड की रा ि ा प्राथमिक पाठ ाालाओ के अतिरिक्त कमरो के निर्माण के लिए दी गई है। समस्त ग्रामीण विकास के लिए भारत सरकर के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चार करोड रूपए की रा ि ा स्वीकृत की जा चुकी है। इसी प्रकार से प्राइमरी ग्रामोदय योजना के अन्तर्गत 175.85 लाख रूपए की रा ि ा राजकीय प्राथमिक पाठ ाालाओ के लिए अतिरिक्त कमरो के निर्माण के लिए, पीने के पानी के लिए, और भाौचालयो की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वीकृत की गई है। 11वे वितीय आयोग द्वारा राजकीय माध्यमिक पाठ ाालाओ मे

अतिरिक्त कमरो के मिर्नाण के लिए, पीने के पानी के लिए, और भाौचालयो की सुविधा प्रदान करने के लिए 241.32 लाख रूपये की रा ि ा जारी की गई है। राजकीय विधालयो मे मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के हेतू दिनांक 14.1.2002 को मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता, मे एक बैठक का आयोजन किया गया था उसमे यह सुनि ि चत किया गया था कि विधालयो मे पीने के पानी की सुविधा 21.3.2002 तक और भाोचालयो की सुविधा का कार्य जुलाई 2002 से पहले ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ यह भी निर्णय किया गया है कि जन स्वास्थय विभाग अपने स्तर पर उपलब्ध फंडो से सभी राजकीय प्राथमिक और वरिश्ठ प्राथमिक विधालयो मे पीने के पानी की सुविधा, 30.3.2002 तक उपलब्ध करवाएगा। भाौचालयो के बारे मे कार्यवाही वितायुक्त एवम सचिव, विकास एवम पंचायत विभाग द्वारा की जाएगी। भूमि आयोजन जैसे कार्यो के लिए जवाहर ग्राम समृद्ध योजना, विकेन्द्रीयकरण योजना तथा हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के अन्तर्गत फंडज करवाए जाएगे। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)**

चौ. नफे सिह राठीः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व मे इस सरकार के आने के बाद ''सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम के अन्तर्गत हजारो स्कूल अपग्रेड किए गए है, उनके कमरे बनाए गए है और स्कूलो को चार दीवारो भी की गई है। पिछली सरकार ने कुछ काम किया था इसलिए ये काम ज्यादा बढ गए है। आज हरियाणा मे 3672 स्कूलो मे भाौचालयो नही है और 1432 स्कूलो मे पीने का पानी अब तक नही है। मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि क्या वे बाकी कामो को छोड कर जैसे

कि स्कूल की चार दीवरी बनाना, कमरे बनाना इत्यादि है इनको बाद मे कर लिया जाए और इनकी जगह पर स्कूलो मे जंहा भाौचालयो नही और पीने के पानी की सुविधा नही है, इन कामो को प्राथमिक देकर पूरा करने का नश्ट करेगे। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि बहादुरगढ मे 1928 मे एक हाई स्कूल बना था और आज वहा हाई सैकण्डरी स्कूल है वहां पर हजारो बच्चे पढते है लेकिन आज तक उस बिल्डिंग की रिपेयर नही हुई। 74 साल पहले की वहं बिल्डिंग है। क्या उसको भी ये ईक करवाने के लिए कुछ करेगे ?

चौ. बहादुर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, स्कूलो मे जहा तक पीने के पानी की सुविधा की बात है तो इस बारे मे हम कोि ा ा कर रहे है कि 31.3.2002 तक यह काम पूरा हो जाए। अगर कोई कमी रह जाएगी तो 31.4.2002 तक पूरी कर दी जाएगी। इसके अलावा जो स्कूलो मे भाौचालयो बनाने कीबात है तो इस बारे मे हम प्रयास कर रहे है और इस बारे मे वितायुक्त एवम सचिव, विकास एवम पंचायत विभाग द्वारा कार्यवाही की जानी है। यह काम जुलाई 2002 से पहले ही पूरा कर दिया जाएगा। जहां तक इन्होने बहादुरगढ मे स्कूल की बिल्डिंग की रिपेयर वाली बात कही है तो उस बारे मे एस.डी.ओ. पंचायती राज विभाग और पी.डब्लयू.डी. (बी एण्ड आर.) वालो से कहेगे कि इस बिल्डिंग को चैक करे और इसका एस्ओमेटस बना कर भेजे ताकि गवर्नमैंट लैवल पर इसको टेकअप किया जा सके।

प्रो0 भगत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूगा कि इस सरकार ने हायर एजुके ान और कालेजिज

मे बहुत अच्छी स्कीम चलाई है ऐसी ही एक स्कीम है ''अर्न व्हाईल यू लर्न'' यानि कमाए जब आप ि ाक्षा पाये। इस स्कीम के द्वारा स्ट ुडैट्स मे पढने के साथ साथ कमाने की भावना भी पैदा होती है। वे पढाई के साथ साथ अपनी पढाई का खर्चा निकाल लेते है। ि ाक्षा के मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इस तरह की स्कीम हम स्कूल लेवल पर लागू नही कर सकते जिससे इस तरह की काफी सुविधाए वहा के स्टुडैट्स द्वारा ही उपलब्ध करवायी जा सके ?

चौ. बहादुर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगा कि कालेजो मे यह प्रणाली हमने लागू कर दी है वहां पर इस बारे मे बडी कामयाबी मिली है। स्कूलो के लिए भी हम इस तरह की प्रणाली के बारे मे विचार करैगे और उसके बाद यदि ठीक हुआ तो यह लागू करने की पूरी कोि ा ा की जाएगी।

श्री राजेन्द्र सिह बिसलाः उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से जानना भी चाहूगा और सदन का ध्यान आकर्शित भी करना चाहूगा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय दे ावासियों के स्वप्न साकार नही हुए। वि ोशकर आजादी के बाद दे ा भक्ति, राश्ट्रीय भावना, कर्तव्य परायणता, ईमानदारी और अनु ाासन जैसे नैतिक मूल्यो का जो पतन हुआ है डी.के. आफ वैल्यू हुआ है उससे आज सपना मे सबसे बडी चितां है। उपाध्यक्ष महोदय, यह मेरी बडी महत्वपूर्ण सप्लीमैट्री है। जब तक हम नैतियो मूल्यो को मजबूत नही करेगे तब तक आने वाले पीढियो को हम कुछ नही दे सकते। अगर ऐसा नही होगा तो डेमोक्रेसी धीरे धीरे नवोक्रेसी

और एनारकी की तरफ जाकर गलत लोगो के हाथो मे चली जाती है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, हमारे स्कूलो को जो पाठ्यक्रम है उसमे जो नैतिक ि ाक्षा का पेपर होता है वह अब कम्लसरी होता था लेकिन अब ऐसा सुनने मे आया है कि मार्च, 2002 के बाद मे नैतिक ि ाक्षा का जो पेपर साल मे ईयरली ऐग्जामिन ोन के दौरान होता है वह नही होगा और न ही उस पेपर के अंक जुडेगे। अब यह होगा कि जो स्कूल के अध्यापक होग वे ही इस पेपर के अंक लिखकर भेज देगे कि इसके नम्बर जोड दिए जाएगे। मै मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा और खासकर मुख्यमंत्री जी से विनम्र निवदेन करना चाहूगा कि इसको को हम बडी गम्भीरता से लेना चाहिए और पाठ्यक्रमो मे बदलाव करना चाहिए। एक्सपर्टस की कमेटी बनाकर ऐसा किया जा सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह आग्रह है कि यह हरे जरूर लागू करना चाहिए। मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है वह भी ठीक है कि कमरे बनने चाहिए, बाथरूम भी हो लेकिन ये सब चीजे बेमानी है अगर नैतिक मूल्य न हो, अगर वह वैल्यूज हो जो मैने बतायी है जो मैने बतायी है। बाकी सारे बाते तो सैकेडरी है। इसलिए मै मंत्री महोदय और मुख्यमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि हमे इसको बडी गभीरता से लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): उपाध्यक्ष महोदय, श्री बिसला जी का क्वै चन बहुत अच्छा है। मै सदन की जानकारी के लिए कहना चाहूगा कि इसलिए ही सरकार ने अपनी ि ाक्षा नीति मे परिवर्तन किया है हम चाहते है कि हमारे बच्चो को अच्छी ि ाक्षा मिले ताकि वे कम्पटी ान मे आगे जा सके और एक अच्छा

नागरिक बनकर राश्ट्र के भविश्य को उज्जवल बना सके। अब ि ाक्षा के साथ साथ और भी दूसरे सुविधाऐ जैसे साफ पीने का पानी, बाथरूम, अच्छे स्कूल के मैदान या पाठ्यक्रम एन.सी.सी. जैसे चीजे भाामिल करके स्कूलो मे दी गये है और इसलिए ही सरकार ने एक कल्चरल अकादमी का गठन भी किया है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस तरह से पहले पुरानी पद्धति थी, पुरानी परम्परांए थी, हमारी सभ्यता और संस्कृति थी, इन सब चीजो को हम पूरी तरह से अपने बच्चो का अवगत करा सके इसके लिए सरकार ने तो कोि ा ा की है लेकिन इसके लिए सदन का भी कोई सम्मानित सदस्य ि ाक्षा विभाग को अगर अच्छे सुझाव देगे तो उनको नि ि चत रूप से पाठ्यक्रमो मे भाामिल किया जाएगा।

Setting up of New Sugar Mills in the State

973. Shri Nafe Singh Rathi: Will the Minister for Co-operation be pleased to state whether there is any porposal under consideration of the Government to set up new Sugar Mills in the State; if so, the details thereof ?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भडाना): उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो हमारे एरिया मे पीने के पानी की कमी है लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयास से जो एस.वाई.एल. कैनाल बनाने का आदे ा माननीय सुप्रीमकोर्ट ने दिया है उससे लोगो मे आस जागी है कि एस.वाई.एल. कैनाल का पानी जरूर आएगा। मुख्यमंत्री जी ने पूरे दे ा मे जो गन्ने का रेट सबसे ज्यादा दिया है उससे लोगो मे चर्चा है कि यदि हमारे एरिया मे भाूगर मिल स्थापित हो जाये तो हमे भी गन्ने का रेट 110 रूपये प्रति क्विंटल मिल

जाएगा। मै मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि क्या झज्जर के आस पास कोई भुगर मिल स्थापित करने का सरकार का कोई प्रस्ताव है ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से पूरे सदन को इस बात से अवगत कराना चाहूगा कि सरकार मौजूदा खेती की डायवर्सिफिके ान की पक्षधर है इसलिए हम प्रयास कर रहे है कि गन्ने का ज्यादा उत्पादन किया जाए। गन्ना एक ऐसी फसल है जो प्रकृति के प्रकोप को भी बर्दा त कर सकती है। जिससे किसान आर्थिक तौर पर ज्यादा लाभान्वित हो सकता है। इसलिए हमने दो नयी भुगल मिल लगाई। नयी भुगर मिल लगाने के सर्वे कराया जाता है कि आया उस एरिया मे इनता गन्ना उपलब्ध या नही? यदि एरिया मे इतना गन्ना उपलब्ध होगा तो उसकी क्रि ांग कैपेसिटी के हिसाब से नयी भुगर मिल लगाने पर जरूर विचार किया जाएगा।

श्री रमे ा राणा: उपाध्यक्ष महोदय, करनाल क्षेत्र का बहुत बडा क्षेत्र है औ वहां पर एक को–ओपरेटिव भूगर मिल भी स्थापित है। हरियाणा के अंदर जिनती को–ओपरेटिव भूगर मिले है उनमे से भााहबाद भूगर मिल के बाद करनाल भूगर मिल का दूसरा नबंर आता है जो पिराई मे सबसे अग्रीण रहती है और नफे मे चल रही हैं मै आपके माध्यम से सहकारिता मंत्री से निवेदन भी करना चाहूंगा और जानना भी चाहूंगा कि उसकी पिराई की क्षमता बहुत कम है उसकी क्षमता बढाई जाए जिससे क्षेत्रवासियो का सारा गन्ना वह भूगर मिल ले सके और ज्यादा से ज्यादा गन्न वहा पर जा सके?

श्री ओमप्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सवाल का जवाब पहले ही आ चुका है। करनाल भूगर मिल हमारी सरकार आने के बाद मुनाफे मे आई है। उससे पहले याह मिल भारी लौस मे चल रही थी जंहा तक क्रि ांग कैपेसिटी का ताल्लुक है, जितना गन्ना उपलब्ध होगा उसके मुताबिक उसकी कैपेसिटी बढा दी जाएगी।

श्री उदय भानः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से माननीय मंत्री से जानना चाहता हू कि पलवल सहाकरी चीनी मिल फरीदाबाद और गुडंगाव जिलो की एक मात्र चीनी मिला है? क्या सरकार वहा पर कोई सर्वे करा रही हे कि कितना गन्ना वहां उपलब्ध है और कितनी उस मिल की क्षमता है ? क्या सरकार उस मिल की क्षमता दुगुनी करने की कृपा करेगी और जिन लोगो का गन्ना मिल नही ले पा रही है क्या सरकार उनको मुआवजा देने पर विचार करेगी? क्योकि गन्ना बहुत ज्यादा है, 60–65 लाख टन गन्ना है और क्षमता केवल 27 लाख टन है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी जो पलवल भूगर मिल है उसको पिछले वर्श रिकवरी के हिसाब से ईनाम मिला है और वह दे ा की अप्रणी मिले मे से मानी गई है जितनी मात्रा मे जहा गन्ना उपलब्ध होगा उसके मुताबिक क्रि ांग कैपेसिटी गन्ने के हिसाब से बढा दी जाएगी।

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरा सवाल इस क्वै चन से हटकर है। मै सबसे पहले मोहम्मद इलियास जी को बधाई दूंगा कि इन्होने वाकई मे भुरू मे कहा था कि मै एक

ऐसा इजैक ान तैयार कर रहा हूं जिससे काग्रेंस वालो की जुबान बंद हो जाये। वाकई मे आज इजैक ान ने काम करना भुरू कर दिया है आज एक भी कांग्रेसी बोला नही है यह वाकई इजैक ान की करामता है। (हंसी)

श्री पूर्ण सिंह डाबडा: उपाध्यक्ष महोदय, मै आपकी मार्फत मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि भूगर मिल के बारे मे हिसार जिले मे सर्वे का कोई सरकार का विचार है जहां 15 हजार एकड जमीन गन्ने की सौइंग होती है लेकिन हिसार जिले मे कोई भूगर मिल नही है।

श्री करतार सिंह भडाना: उपाध्यक्ष महोदय, मै अपने सीनियर साथी को बताना चाहूंगा कि भूगर मिल के बारे मे सर्वे वक्त वक्त पर सब जगह कराया जाता है। जहां गन्ना उपलब्ध होता है कहां गन्ने की पिराई नही हो पाती।

Saving Fatehabd from Floods

1021. Shri Lila Krishan: Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has formulated scheme to prevent Fatehabad from floods; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): फतेहबाद को बाढ से सुरक्षा प्रदान करने के उदे य से 400 क्यूसिक की क्षमता वाले रगोई नाला और रसोई पथा परिवर्तन नाला (डायव र्न) का घग्गर से निकले हुए पानी को वापिस नदी मे लाने हेतू पहले ही निर्माण किया जा चुका है।

चौ.लीला कृश्णः डिप्टी स्पीकर साहब, बाढ से कई बार फतेहबाद खत्म हो चुका है। जब सयुक्त पजांब था तब एक बार प्रलय आई थी। फतेहाबाद जिले मे घग्घर के उफान ने कैथल, बीबीपूर, जीद, गोहाना और रतिया को तबाह कर दिया है। इसलिए जब तक वहा पर रंगोई नाले को बनाने का इंतजाम नही होगा तक तक घग्गर की तबाही की रोकथाम नही हो सकेगी। दूसरी एक हमारे यहां पर बांध बनाने की प्रेपोजल थी, वह बाई पास का काम भी करेगा। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि क्या उस बांध को बनाने का प्रोपजल आगे चल रहा है ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): उपाध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि मै भी अपने जवाब मे इस बात को माना है कि रगोई नाले की क्षमता को बढाया गया, उसको डाईवर्ट किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, उसको स्ट्रैग्थन करने के लिए फल्ड कंट्रोल बोर्ड के 30 लाखा रूपए और लगेगे। इनका प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार से डिप्टी स्पीकर सर, जिस तरीके से हमारी सरकार ने नई औधोगिक नीति बनाई है, कृशि नीति बनाई है, नयी ि ाक्षा नीति बनाई है, खेल नीति बनाई है, खानी नीति बनाई है, नई सडक नीति बनाई है उसी प्रकार से हमारी सरकार का हरियाणा प्रदे ा को बाढ रहित बनाने का भी लक्ष्य है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये)** जहां जब घग्घर नही मे पानी की बात है, यह ठीक है कि जब घग्घर मे पानी आता है जो फतेहबाद के आस पास के कई गांव इससे प्रभावित होते है। उस पानी को रोकने के लिए रंगोई खरीब चैनल बनाने की योजना है ताकि एक तरफ फल्ड कंट्रोल हो जाये और दूसरी तरफ वह पानी किसानो को

खेती के लिए मिल सके। 34.21 लाख रूपये की योजना बनाकर इस प्रकार की चैनल बनाने की योजना है ताकि यदि घग्घर मे ज्यादा फल्ड हो तो वह पानी किसानो की खेती के काम आ सके और उस पानी का उपयोग पूरे तरीके से किया जा सके। इसके लिए फंडिग के बारे मे नाबार्ड से बात हुई है और आ ाा है कि फंडज स्वीकृत हो जाएगे। जब हमारा नाबार्ड का इस बार प्रोजैक्ट आएगा तो फतेहबाद जिले के लिए, फतेहबाद क्षेत्र के लिए, लीला कृश्ण के क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी होगा और किसानो के लिए बहुत बडा वरदाना होगा।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, यह पर्टीकुलर प्र ान तो फतेहबाद से संबधित था लेकिन मै कहना चाहूंगा कि करनारल और पानीपत जिले यमुना से जुडते है, वर्शा के दिनो मे जब यमुना मे फ्लो आता है तो करनाल और पानीपत के कुछ इलाके बहुत प्रभावित होते है क्या सरकार ने फ्लड कंट्रोल बोर्ड को ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है जिससे यमुना के फ्लो को रोका जा सके और किसानो ं की बरबाद होने वाली फसलो को बचाया जा सके ?

श्री रामपाल मांजराः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने यह जानना चाहा है कि यमुना के फ्लो को रोकने के लिए पानीपत जिले के कोई योजना मंजूर की गई है तो मै इनको बताना चाहूंगा कि 2001 की बाढ के बाद यमुना नदी पर मिर्जापुर कम्पलैक्स को बचाने के लिए हमने एक योजना बनाई है और मजूर की है। इसी प्रकार से यमुना नदी पर पर्याप्त के गोहला कम्पलैक्स को बचाने के लिए योजना बनाई गई है, इस प्रकार एक

नई योजना मिर्जापूर बांध के निर्माण की है, यमुना नदी पर ननहेडा कम्लैक्स को बचाने की योजना बनाई गई है और मंजूर की गई है, यमुना से विलासपुर कम्पलैक्स के बचाव के लिए पत्थर की 2 ठोकरो का निर्माण किया गया है। ड्राई ड्रैन न0 1 बुर्जी न0 48610 पर गिरने वाली मथलोडा ड्रैन की बुर्जी न0 0 से 8750 तक का निर्माण करने का प्रस्ताव है। गांव चदोली के तालाब के पानी की निकासी के लिए बुर्जी न0 0 से 1315 तक ड्रैन बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। इसी तरह से माननीय साथी ने करनाल जिले मे यमुना के फ्लो को रोकने के लिए बनाई गई है योजनाओ के बारे मे पूछा है तो मै इनको बताना चाहूंगा कि यमुना नदी पर मुस्तफाबाद कम्पलैक्स के बचाव के लिए पत्थर की 4 ठोकरे बनाने की योजना है, यमुना नदी पर बलेहरा कम्पलैक्स के बचाव के लिए 2 पत्थरो की ठोकरो के निर्माण का प्रस्ताव है। गांव गढपुर टाप के धनौर एस्केप की बुर्जी न0 43500 पर 5 क्रोसिंग का निर्माण करने का प्रस्ताव रखा गया हैं। ये तीनो योजनाए यमुना नदी पर करनाल जिले की है। इसी प्रकार अनेको योजनांए बाढ नियंत्रण बोर्ड की 33वी मीटिंग मे मजूंर की गई है और अन्य योजनाए भी नाबार्ड से मंजूर कराके उन पर काम जारी है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने तो हरियाणा प्रदे ा को डुबोया था। जय प्रका ा जी बैठे है इनको पता है कि किस प्रकार से कलायत मे बाढ आई थी किस प्रकार से नरवाना मे बाढ आई थी। जब इनकी सरकार होती है तो ये सोचते है कि किसी प्रकार से बाढ आ जाए, सूखा पड जाए ताकि किसी भी प्रकार से गलत तरीके से बिल बनाकर जनता को चूसे, सरकार का गाढा पैसा किस प्रकार

से खाएं, ये इस प्रकार की योजनाए बनाते थे। हमारे गति ील मुख्यमंत्री, प्रगति ील मुख्यमंत्री ने जो इस प्रकार की योजनाए बनाई है उससे इस प्रदे ा का चहुमुंखी विकास हुआ है, उससे किसानो, मजूदो का, व्यापारियो का और कर्मचारियो का फायदा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, ये तो लूट मचाते थे। अब ये हां भी भर रहे है कि हां हम लूट मचाते थे। भजन लाल जी जब आपकी सरकार के वक्त मे फ्लड आया था उस समय आपने खूब पैसा कमाया था जिसकी वजह से हरियाणा प्रदे ा 1995 मे तहस नहस हो गया, सडको की बहुत बुरी हालत हो गई थी। लेकिन इन्होने तो पैसा कमाने का काम किया था। अध्यक्ष महोदय, मैने फ्लड के बारे मे जो करनाल और पानीपत जिलो की योजनाए बताई है तो इसी प्रकार की योजनाए पूरे प्रदे ा की है तो हमने बनाई है अगर मै उनको बता दू तो बहुत अच्छा रहेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इनका तो झूठ का मोहल्ला है (ाोर एवम व्यवधान)

वित मंत्री (प्रो. सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, ये कोई सवाल पूछने नही है और न ही कोई सवाल देते है। ये केवल गैर जिम्मेदारान काम करते है। अपना उतर दायित्व निभाने मे ये फेल है इसलिए ये जहा इस तरह की बाते करते है। (ाोर एवम व्यवधान)

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर

Vecant Posts of Teachers

1013. Shri Ranbir Singh: Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to fill up the Vacant posts of teachers in the Government Schools in Badhra constituency ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid posts of teachers are likely to be filled up ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंहं):

(क) उपलब्ध रिक्त पदो को सीधी भर्ती तथा पदोन्नति द्वारा भरने का मामला सरकार के विचाराधीन है।

(ख) अध्यापको के विभिन्न वर्गो को रिक्तियो को सीधी भर्ती तथा पदोन्नति द्वारा भरने के लिए विभाग द्वारा भरसक प्रयास किये जा रहे है।

Construction of Roads

977. Shri Shadi Lal: Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state-

(a) whether it is fact that the construction work of following roads Rohtak City are lying in complete-

(1) Kath Mandi Road;

(2) Gohana Adda Deyanand Math Sukhpura Chowk;

(3) Subhash Road in front of All India Radio Station; and

(b) if so, the time by which the construction work of these roads are likely to be completed ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): (क) तथा (ख) टी.बी अस्पताल से सुखपुरा चौक तक सडक की मरम्मत का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। गोहाना अड्डा से दायनन्नद मठ तक की सडक तथा आंल इंडिया रेडियो स्टे ान के सामने सुभाश रोड का कार्य 30 जनू, 2002 तक पूर्ण होने की संभावना है। काठमण्डी सडक की मरम्मत का कार्य 30 सितम्बर, 2002 तक पूर्ण होने की सभांवना है।

Increase in D.CR.G

848. Shri Sher Singh: Will the Minister for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the minimum and maxumum amount of Death-cum Retirement Gratuity, being provided to its employees ?

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): नही, श्रीमान जी, लेकिन हरियाणा सरकार अपने कर्मचारियो की भलाई का पूरा ध्यान रखे हुए है। समय समय पर मृत्यु तथा निवृति उत्पादन (डी0सी0आर0जी0) नई दरो पर इस प्रकार अदा की जाती है:–

1. 1.1.1986 से पहले मृत्यु तथा निवृति उतपादन (डी0सी0आर0जी0) की सीमा 36000 रूपये थी। इस सीमा को 1.1. 1986 से 50000 रूपये तक बढा दिया गया।

2. 1.1.1986 से ही वित विभाग के परिपत्र क्रमांक 1/4 (93)–89–2 एफ.आर. -II दिनांक 2.5.1990 के द्वारा यह सीमा 1. 00 लाखा रूपये तक बढा दी गई है।

3. हरियाणा सरकार ने भारत सरकार की पद्धति को अपनाते हुए मृत्यु तथा निवृत उपदान (डी0सी0आर0जी0) की रा ि । 1.4.1995 से 1.00 लाख बढाकर 2.50 लाख कर दी तथा इस बारे आदे । वित विभाग के परिपत्र क्रमांक 1/4 (93)–89–2 एफ.आर. -II दिनांक 8 मार्च, 1996 द्वारा जारी कर दिये।

4. केन्द्रीय सरकार ने पांचवे वेतन आयोग की सिफारि ाो को मानते हुये मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी0सी0आर0जी0) की सीमा 2.50 लाख से 3.50 लाख रूपये अपने परिपत्र दिनांक 27.10.1997 को कर दी। बढी हुई दर 1.1. 1996 को लागू कर दी गई।

5. इस राज्य सरकार ने भारत सरकार की पद्धति पर चलते हुए यह निर्णय लिया कि वह भी अपने कर्मचारियों को 2.50 लाख रूपये के स्थान पर 3.50 लाख रूपये तक मृत्यु तथा निवृत उपदान (डी0सी0आर0जी0) देगी तथा इस बारे आदे । 9 मार्च, 1998 को जारी कर दिये गये जोकि 1.1.1996 से लागू हुए।

6. चूकि इस समय मृत्यु तथा निवृत उपदान (डी0सी0आर0जी0) की सीमा केन्द्रीय सरकार के समकक्ष है, अतः इस समय के पास इस समीा को बढाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

Creation of Sub Division of H.V.P.N

1000. Shri Daryao Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any prposal consideration of the Governement to create seprate Sub division of Haryana Vidyut Prasaran Nigam for Jhajjar City and Villages of Jhajjar Constituency?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): नही श्रीमान।

Four laning of Delhi Rohtak Road

942. Shri Raghuvir Singh Kadian: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Delhi to Rohtak road into four laning road ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materalized ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) समय अवधि को अभी तक अन्तिम रूप नही दिया गया है।

Settin up of Industrial Growth Centre-Saha

866. Shri Anil Vij Will the Chief Minister be pleased to state whether it is fact that land for setting up of an Industrial Growth Cerntre at Saha, Distirct Ambala has been acquired by the Sate Government; if so, the details there of togerherwith the time by which such Centre is likely to be set up?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां , श्रीमान जी, साहा, जिला अम्बाला मे औधोगिक विकास केन्द्र स्थापित करने हेतू 414 एकड 2 कनाल 10 मरला भूमि अधिग्रहण की गई है। इस परियोजना के विकास का कार्य आरम्भ हो चुका है और सितम्बर, 2003 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

Draining out of Rainy Water Tohana

1037. Shri Nishan Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the rainy water accumulates in Mohalla Ram Nagar of Tohana; if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government to remove this probled?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां , श्रीमान जी। राम नगर आबादी से हिसार चण्डीगढ मार्ग तक 400 मीटर लम्बी आर.सी.सी. पाइप सीवर लाइन बिछाई जा चुकी है। बिजली से चलने वाले दो पम्पिंग सैट तथा एक डीजल से चलने वाले पम्पिंग सैट लगाए गए है। इस बस्ती के लिए 40 के.वी.ए. का एक डीजल जनरेटिंग सैट भी लगाया जा चुका है। इस प्रणाली मे और सुधार करने का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

Augmentation of Drinking Water

833. Shri Puran Singh Dabra: Will the Chief Minister be pleased to state steps so far taken or proposed to be taken to augment water supply in the rural areas in the State?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमान जी, इस बारे मे सूची सदन के पटल पर रखी गई है।

सूची

राज्य सरकार द्वारा पहले ही ग्रामीण क्षेत्रो मे पेयजल आपूर्ति की बढौतरी के लिए न्यूनतम आव यकता कार्यक्रम, त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम और सूखाग्रस्त विकास कार्यक्रम जैसे नार्मत कार्यक्रमो के अन्तर्गत कदम उठाए जा रहे है।

वर्श 1999–2000 मे अब तक इन कार्यक्रमो के अन्तर्गत जिन गांवो मे पेयजल आपूर्ति मे बढौतरी की गई उनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:–

क्रमसख्ंया	वर्श	बढौतरी किए गए गावो की संख्या	कुल आबटितं धनरा ि/व्यय (रूपये करोडो मे)
1.	1999–2000	663	70.04
2.	2000–2001	570	57.19
3.	2001–2002	398 (31.1.2002) तक	66.79
4.	2002–2003	500 (लक्ष्य)	64.70

इसके अतिरिक्त, बढौतरी कार्यो मे तीव्रता लाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित नए पग उठाए गए है:

1. पेयजल आपूर्ति मे बढौतरी करने के लिए 519 गांवो मे सम्पन्न करने वाली 207 योजनाओ के प्रोजैक्ट नाबार्ड ऋण के

अन्तर्गत करवाए गए है, जिनकी कूल लागत 145.52 करोड रूपए है। इनमे चालू वित वर्श मे 50 गांवो, वर्श 2002–2003 के दौरान 150 गांवो तथा वर्श 2003–2004 के दौरान 319 गांवो मे पेयजल आपूर्ति वृद्धि का प्रस्ताव है।

2. मेवात क्षेत्र मे इन्टनै ानल फंडिग फार एग्रीकल्चर डिवैल्पमैट (इफाड) के अर्न्तगत पेयजल आपूर्ति सुविधाए मे बढौतरी के लिए पहले 2 रूपये का उपलब्ध करवाए जातें है। चालू वर्श 2001–2002 के दौरान इस बढा कर 8.31 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है।

Approval of Crusher Zone

1052. Shri Krishan Pal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to approve any crusher zone in Uhawas Village in distrist Gurgaon; if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): जी नही , श्रीमान जी।

Charges for Electricity connection for Tubewells

987. Shri Dan Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether it has been made compulsory to charge Rs. 20000 for able connection and Rs. 5000 per pole from those faremers who have deposited security for Electricity connection for tubwells; if so, the reasons thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): कनैक ान की आ ंक लागत को पूरा करने के लिए नलकूप कनैक ानो के ऐसे

आवदको जिनकी टैस्ट रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है उनसे 20000 रूपये प्रति कनैक ान जमा अतिरिक्त 7000 रूपये एच0टी0 या एल0टी0 के प्रति/स्पैन/पोल जमा कराने की आ ाा की जाती है।

Suicnece Classes

956. Shri Udai Bhan: Will the Minister of State for Education pleased to state whether it is fact the Science Classes have beeen closed in the Governemnet College, Hodel, if so, the reasons thereof, togherwith the time by which the Science Classes is likely to be restarted therein?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): नही, श्रीमान जी।

Number of Abhandoned Confiscated vehicles

821. Capt. Ajay Singh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of vehilces of different types impounded, confiscated, accidental and those which were found abandoned in the State by the Police during the year 1998-99,1999-2000,2000-2001 and 2001 till to date-

(b) the number of vehilces out those referred in part 'a' abvoe were auctioned or allotted to any persons; if so, the names and addresses thereof; and

(c) the number of vehicles out of those referred to in part 'a' above haveing fake registration number togetherwith the action taken against the officials held reposnsible for the purpose.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): (क), (ख) और (ग): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क–1) (वर्श 1998–1999 के दौरान)

वाहनो की संख्या

क्रम सख्या	वाहनो की किस्म	पकडी गई	जब्त की गई	दुघर्टना ग्रस्त	लावरिस मिली	कुल योग
1.	बस/मीनी बस	122	17	695	36	870
2.	ट्रक/मिनी ट्रक	85	17	1615	50	176़7
3.	ट्रैक्टर	55	12	330	7	404
4.	जीप/मैटाडोर	1550	81	1059	100	2790
5.	कार	239	89	666	104	1098
6.	मोटर साईकिल	1514	154	857	82	2607
7.	स्कूटर	1585	101	392	100	2178

8.	अन्य वाहन	783	31	1045	33	1892
	कुल योग	**5933**	**502**	**6659**	**512**	**13606**

(क–2) (वर्श 1999–2000 के दौरान)

वाहनो की संख्या

क्रम सख्या	**वाहनो की किस्म**	**पकडी गई**	**जब्त की गई**	**दुघर्टना ग्रस्त**	**लावरिस मिली**	**कुल योग**
1.	बस / मीनी बस	121	3	602	4	730
2.	ट्रक / मिनी ट्रक	115	32	1299	9	1455
3.	ट्रैक्टर	32	7	503	10	552
4.	जीप / मैटाडोर	1614	59	1026	146	2845
5.	कार	195	59	704	87	1045
6.	मोटर साईकिल	2454	127	544	193	3318
7.	स्कूटर	2362	101	437	196	3096

8.	अन्य वाहन	1197	13	902	104	2216
	कुल योग	**8090**	**401**	**6017**	**749**	**15257**

(क–3) (वर्श 2000–2001 के दौरान)

वाहनो की संख्या

क्रम सख्या	**वाहनो की किस्म**	**पकडी गई**	**जब्त की गई**	**दुघर्टना ग्रस्त**	**लावरिस मिली**	**कुल योग**
1.	बस / मीनी बस	135	5	570	67	777
2.	ट्रक / मिनी ट्रक	98	11	1577	60	1746
3.	ट्रैक्टर	62	8	380	7	457
4.	जीप / मैटाडोर	1554	43	924	129	2650
5.	कार	263	72	666	101	1102
6.	मोटर साईकिल	589	144	681	91	1505
7.	स्कूटर	1667	110	413	150	2340

8.	अन्य वाहन	797	37	1063	60	1957
	कुल योग	**5165**	**430**	**6274**	**665**	**12534**

(क–4) (वर्श 2001–2002के दौरान)

वाहनो की संख्या

क्रम सख्या	**वाहनो की किस्म**	**पकडी गई**	**जब्त की गई**	**दुघर्टना ग्रस्त**	**लावरिस मिली**	**कुल योग**
1.	बस / मीनी बस	252	7	426	1	686
2.	ट्रक / मिनी ट्रक	187	17	999	4	1207
3.	ट्रैक्टर	416	19	389	4	558
4	जीप / मैटाडोर	3037	53	750	29	3869
5.	कार	502	67	718	80	1367
6.	मोटर साईकिल	5018	124	626	147	5915
7.	स्कूटर	4844	79	442	154	5519

8.	अन्य वाहन	18835	44	706	28	19613
	कुल योग	**32821**	**410**	**5056**	**447**	**38734**

(ख–1) नीलाम किए गए वाहनो की संख्या

क्रम सख्या	**वाहनो की किस्म**	**1998–1999**	**1999–2000**	**2000–2001**	**2001–2002 (15.2.2002 तक)**
1.	बस / मीनी बस	0	0	0	1
2.	जीप / मैटाडोर	1	1	1	1
3.	कार	17	7	2	25
4.	मोटर साईकिल	3	6	0	41
5.	स्कूटर	13	1	1	58
6.	अन्य वाहन	4	1	0	26
	कुल योग	**38**	**16**	**4**	**152**

टिप्पणीः जिन व्यक्तियो को यह वाहन नीलाम किए गए उनके नाम व पतो की सूची परि ाि श्ट ख–1 पर संलग्न है।

परि ाि श्ट ख–1

नीलाम किए गए वाहनो की संख्या

जिला गुडगांव (वर्श 1998–99)

1. रामजी पुत्र जीतराम वासी गढी हरसरू, गुडगांव ।

2. विजयबीर पुत्र जय प्रका ा वासी सुखराली, गुडगांव ।

3. सुभाश चन्द्र पुत्र सोम प्रका ा वासी रामगढ मोह, भिवानी।

4. मोहम्मद अली पुत्र हाजी मोहम्मद वासी म.न0 1784, तुर्कमान गेट, दिल्ली 6

5. सु ील कुमार पुत्र हेमराज वासी ि ावाजी नगर, गुडगांव।

6. जोगेन्द्र सिह पुत्र सूरत सिंह वासी म.न. 305/14, रोहतक

7. नवीन कुमार पुत्र ई वर चन्द्र, गुडगांव।

8. इन्द्रजीत सिंह पुत्र कुलवन्त सिंह वासी 746, भीम नगर, गुडगांव

9. संजय वासी कन्हयी, गुडगांव।

10. दलबीर पुत्र जागी राम वासी 461 भीम नगर, गुडगांव।

11. आनन्द पुत्र रामचन्द्र वासी कन्हयी, गुडगांव।

12. जगदी ा चन्द्र पुत्र दीप चन्द वासी 461 भीम नगर, गुडगांव।

13. अनिल कुमार पुत्र रामकुमार।

14. कुन्दन लाल पुत्र खेम चन्द वासी महाबीरपुर, गुडंगाव।

15. राजे ा कुमार पुत्र रघुबीर सिह वासी सैक्टर 5, गुडंगांव।

16. मुके ा कुमार पुत्र हर प्रसाद वासी तिगांवा, फरीदाबाद।

17. छवी नाथ पुत्र प्रमाल सिंह वासी 373/3 प्रेम नगर, गुडगांव।

18. सतबीर सिंह पुत्र मौजी राम वासी 288 डी.एल.एफ. रोहतक।

19. चांद खान पुत्र यामीन खान दिल्ली रोड, सोमती गंज, मेरठ (6 गाडियां) ।

20. राजेन्द्र सिंह पुत्र भोर सिंह वासी टिकली गुडगांव।

21. वेद प्रका ा पुत्र साबरमल वासी नकीपुर, जिला भिवानी।

22. विनय सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी 334/ई–9 मण्डावाली, दिल्ली।

23. प्रेम सागर पुत्र भजन राम वासी 146/5 ि ावाजी नगर, गुडगांव।

24. सुनील कुमार पुत्र हरी चन्द वासी म.न0 27 आटो मार्कीट, भिवानी।

25. नफे सिंह पुत्र रणधीर सिंह वासी गली न0 1 माता रोड, गुडगांव।

26. महीपाल पुत्र भूरे लाल वासी गंली न0 1 माता रोड, गुडंगांव।

27. दीप कुमार साधू राम वासी म.न0 288/14, रोहतक।

जिला नारनौल (वर्श 1998–99)

28. नरे ा कुमार पुत्र दया नन्द वासी पुलिस स्टे ान अटेली।

29. कृश्ण कुमार पुत्र उमराव वासी जिला नारनौल।

30. महाबीर पुत्र बहादुर सिंह वासी गन्नौर (2 गाडिया)

31. छोटे लाल पुत्र रामजी लाल वासी भोखपुरा।

32. अ वनी कुमार पुत्र दलीप सिंह वासी अटेली मण्डी।

33. त्रिलोक सिंह पुत्र हरी चन्द वासी रोहतक।

34. रती राम पुत्र मूल चन्द वासी हजनपुर।

35. बि ान दयाल पुत्र रामे वर वासी करनाल।

36. महाबीर पुत्र बहादुर सिंह वासी गन्नौर।

गुडगांव (वर्श 1999–2000)

37. अतर सिंह पुत्र तारा चन्द वासी ि ावाजी नगर, गुडगांव

38. राके ा कुमार पुत्र चन्दन सिंह वासी 324 असन्ध रोड, पानीपत

39. राजेन्द्र कुमार पुत्र ई वर सिंह वासी तलवन्डी राणा, हिसार।

40. विजय सिह पुत्र भगवान सिंह वासी मण्डावाली, दिल्ली।

41. जयपाल पुत्र गुलाब सिंह वासी लकमी गवाला, जीन्द।

42. धर्मेन्द्र सिह पुत्र हरी सिंह वासी तालब झज्जर।

43. जफर पुत्र नासीर अहमद, वासी 102/5, गुडगांव।

44. सुरे ा कुमार पुत्र दरियाव सिंह वासी सिंख, पानीपत।

45. विक्रम सिह पुत्र फतेह सिंह वासी फ्रेण्डन कालोनी, गुडगांव।

46. सुभाश पुत्र मुसद्धी लाल वासी पलवल कालोनी, गुडंगांव

47. वेद प्रका ा पुत्र साबर मल वासी नाकीपुर, भिवानी।

फरीदाबाद (वर्श 2001–2002) (15.2.2002)

48. योगेन्द्र पुत्र तेजाराम वासी म.न. 308, जी.टी. रोड, बल्लभगढ।

49. आनन्द कुमार पुत्र संत वासी बीदास, गाजियाब।

50. कृश्ण कुमार पुत्र निहाल सिंह वासी गढी मोहम्मद, रोहतक (36 गाडिया)

51. गोरधन खन्ना, पुत्र आन.एन. खन्ना वासी 219/डब्ल्यू मातापुरी, दिल्ली (5 गाडिया)

52. विजय कुमार भनोटा राम वासी 3136, सैक्टर 28, फरीदाबाद।

53. मोहम्मद सलीक पुत्र बाबू खां वासी 563, गोबिन्दपुरी, दिल्ली।

54. मुके ा पुत्र सुखबीर सिंह वासी खाण्डा, सोनीपत।

55. अ ाोक कुमार पुत्र कंवर पाल वासी 984, सैक्टर 18 फरीदाबाद।

56. उमेद सिंह पुत्र भंवर लाल वासी भिवानी।

57. राजकुमार पुत्र फकीद चन्द वासी 1121, सैक्टर 18, फरीदाबाद (3 गाडिया)

58. उमर सिंह पुत्र खचरा राम वासी गढी मोहम्मद, रोहतक (2 गाडिया)

59. कुन्दन लाल पुत्र श्री चन्द वासी एस.एल. 76 एन. आई.टी. फरीदाबाद।

60. सुरेन्द्र कुमार पुत्र उमराव सिंह वासी डी.सी. कालोनी, भिवानी।

61. जगदी ा पुत्र तोता राम वासी भट्ठा हिसार।

62. दिने ा कुमार पुत्र रो ाल लाल वासी 3सी, 153 एन.आई.टी. फरीदाबाद।

63. गोरधान खन्ना पुत्र आर.एन. खन्ना वासी 219/डब्ल्यू मातापुरी, दिल्ली। (4 गाडिया)

64. कमल जीत पुत्र कृपाल सिंह वासी 738, सैक्टर 15, फरीदाबाद ।

65. विनोद कुमार पुत्र रमे ा वासी जनता कालोनी, एन.आई.टी. फरीदाबाद (2 गाडिया)

66. सन्तोश कुमार पुत्र राम ारण वासी 114, एम.सी. कालोनी, भिवानी (2 गाडिया)

67. उमर सिंह पुत्र खचरा राम वासी गढी मोहम्मद, रोहतक (8 गाडिया) ।

68. राजकुमार पुत्र मदन लाल वासी 3ए/108, एन.आई. टी., फरीदबाद।

69. राम प्र ााद पुत्र वाजी राम वासी फरीदाबाद।

70. कमल जी पुत्र कृपाल सिंह वासी 738, सैक्टर 15ए, फरीदाबाद।

71. तेज सिंह पुत्र सरण सिंह वासी मदन पुर खुर्द।

72. आन्नद कुमार पुत्र संत सिंह वासी बीदास, गाजियाबाद।

73. अ वनी पुत्र राम सिंह कि ाोर वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।

74. अनित कुमार पुत्र कि ाोर वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।

75. संजय सिंह पुत्र दिबाग सिंह वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।

76. रमण पुत्र देवी सिंह वासी भिवानी।

77. विराज मोहन वासी 363, सैक्टर 16, पंचकुला।

78. उमेद सिंह पुत्र भंवर लाल वासी, भिवानी।

79. प्रदीप कुमार पुत्र अर्जुन लाल वासी चरखी दादरी।

80. जय प्रका ा पुत्र इन्द्र सिंह वासी वार्ड न0 16/226, बल्लभगढ।

81. हरबंस सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह वासी दिल्ली।

82. इन्द्र सिह पुत्र महेन्द्र वासी एन.आई.टी., फरीदाबाद।

83. दीपक कुमार पुत्र सुभाश चन्द वासी फरीदाबाद 110 ए.आर.जी. ।

84. सन्तोश कुमार पुत्र रामसरण वासी 114, एम.सी. कालोनी, भिवानी । (5 गाडिया)

85. मुके ा पुत्र रामसरण वासी 298/12, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद।

86. सुरे ा कुमार पुत्र जंगली राम वार्ड न0 2, बहादुरगढ।

87. अ ाोक कुमार पुत्र हवा सिंह निवासी लजवाना कंला, जीन्द।

88. जय प्रका ा पुत्र दया सिह वासी नन्दगढ, जीन्द।

89. अनूप सिह पत्र भयाम वासी 1/92 पी.एल. गाजियाबद (यू.पी.) ।

90. मुके ा कुमार पुत्र रामधन वासी 2981/2 जवाहर कालोनी, फरीदबाद (2 गाडिया)

91. अनूप सिह पत्र भयाम वासी 1/92 पी.एल. गाजियाबद (यू.पी.) ।

92. कमल सिंह पुत्र जयचन्द वासी टिगान, फरीदाबाद।

93. राजे ा कुमार पुत्र मान सिंह वासी, 37 वार्ड न0 4, बल्लभगढ, फरीदाबाद। (5 गाडिया)

94. सुरेन्द्र सिंह पुत्र गुरबख्स सिंह वासी 588/30, फरीदाबाद।

95. उपेन्द्र सैनी पुत्र प्रीतम सिंह वासी 7470, सैक्टर 8 गुडगांव।

96. अब्दुल रहमान पुत्र हब्दुल वाली वासी 322, ए.एफ. इन्कलेव, दिल्ली।

97. राजकुमार पुत्र रामसरण वासी 37, वार्ड न0 4, बल्लभगढ।

98. ताकीन खां पुत्र बबीर खां वासी, एस.जी.एम. नगर, फरीदाबाद।

99. राजकुमार पुत्र जगनन्नाथ वासी, सरण, फरीदाबाद।

100. मुके ा कुमार पुत्र रामधन वासी 298/2, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद।

101. मोहम्मद रहीम पुत्र मोहम्मद रफीक वासी 3/706, बल्लीभगढ (4 गाडिया)

102. सलीम पुत्र भाामसुदीन वासी 169, ए.पी. नगर, फरीदाबाद (2 गाडिया)

103. सुरेन्द्र कुमार पुत्र बरेन्द्र वासी 1502/2, फरीदाबाद।

104. नरे ा कुमार पुत्र साहिब राम वासी गढखेडा, बल्लभगढ।

105. अनित कुमार पुत्र कि ाोरी वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।

106. रामपाल पुत्र धर्मपाल वासी फनेरा, फरीदाबाद।

107. राजे ा कुमार पुत्र मान सिंह, वासी 37, वार्ड न0 4 बल्लभगढ, फरीदाबाद ।

108. विजय कुमार पुत्र मोहन लाल वासी खतेबेरी मंगला, रामगढ।

109. मनोज यादव पुत्र फतेह सिंह, गुडगांव।

110. सलीम पुत्र सम ाऊदीन वासी 169, ए.सी. नगर, फरीदाबाद।

111. मोहम्मद अ ारफ पुत्र अब्दुल रजाक वासी 169, ए.सी. नगर, फरीदाबाद।

112. जितेन्द्र कुमार पुत्र माजी राम वासी सोनीपत।

113. विनोद कुमार पुत्र राम कि ान वासी 597/14, रोहतक।

114. जय प्रका ा पुत्र इन्द्र सिह वासी 16/224, बल्लभगढ।

115. रमे ा कुमार पुत्र मान सिंह वासी 37, वार्ड न0 4, बल्लभगढ।

116. अमी लाल पुत्र तेजपाल वासी ओल्ड फरीदाबाद।

117. जितेन्द्र कुमार पुत्र माजी राम वासी दिल्ली।

118. श्रीचन्द पुत्र रमे ा चन्द्र वासी, बल्लभगढ।

119. मनोहर लाल पुत्र दीप चन्द वासी डी.एल./94 फरीदाबाद।

120. कैला ा चन्द पुत्र ओमप्रका ा वासी चरखी दादरी।

121. जगमोहन लाल पुत्र दीप चन्द वासी 51/91, एन. आई.टी., फरीदाबाद।

122. उदयबीर पुत्र अमीचन्द वासी खनेड, फरीदाबाद।

123. राजे ा कुमार पुत्र राम स्वरूप वासी लाण्डरी, हिसार।

124. राजीव पुत्र गोविन्द राम वासी 639 गोपी कालोनी, फरीदाबाद (3 गाडिया)

125. बालकि ान पुत्र बिहारी लाल वासी फरीदाबाद।

126. राजे ा पुत्र मान सिंह वासी 37/4 बल्लभगढ (5 गाडिया)

127. मोहम्मद करीम पुत्र रफीक वासी 3/706, बल्लभगढ।

128. कुन्दन लाल पुत्र दीप चन्द वासी 76, एन0आई0टी0, फरीदबाद।

129. भौकीन खां पुत्र बसीर खां वासी एज.जी.एम. नगर, फरीदाबाद।

130. नरे ा चन्द्र पुत्र रघबीर वासी टेकनपुर यू0पी0।

131. सुरेन्द्र कुमार पत्र राम कमर वासी सोनीपत।

132. अ ाोक कुमार पुत्र कंवरभान वासी 948/18, फरीदाबाद।

133. ज्ञान सिंह पुत्र गिरी राज सिंह वासी मितरोल, फरीदाबाद।

134. सुरेन्द्र कुमार पुत्र राजेन्द्र वासी 1107/39, फरीदाबाद।

135. संजय कुमार पुत्र दिलबाग सिंह वासी मदीना, रोहतक।

136. संजीव कमार पुत्र भगवान सिंह वासी कोजिन्दा, महेन्द्रगढ।

137. मोहम्मद रफीक पुत्र महोम्मद सदीक वासी 5/206, बल्लबगढ।

(ख–1) नीलाम किए गए वाहनो की संख्या

क्रम स0	वाहनो की किस्म	1998–1999	1999–2000	2000–2001	2001–2002 (15.2.2002 तक)	जिन व्यक्तियो को वाहन आबटिंत किए गए नाम एवम पता
1	जीप/मैटाडोर	1	.	.	.	सतनाम सिंह पुत्र सन्तोखा सिंहं, रीडर/उपायुक्त, अम्बाला।
2.	कार			4		लोक ा पुत्र परमान्नद वासी

						विवेक बिहार, अम्बाला भाहर।
						रमे ा पुत्र. राजकुमार स्टैनो। उपायुक्त, अम्बाला
						रजिन्द्र सिंह कर्ल्क / डी.पी. ओ. अम्बाला।
						हरिन्द्र सिह 305, माडल टाउन, अम्बाला भाहर
3	मोटर साईकिल	1	1			सतनाम सिंह पुत्र सन्तोखा सिंहं, रीडर / उपायुक्त , अम्बाला।
						पकंज गोयल पुत्र ए.के. गोयल, सिटी

						उपायुक्त, अम्बाला।
4.	स्कूटर			1		मेहर भार्मा पुत्र ओमप्रका ा अम्बाला
	कुल योग	2	1	5	0	

(ग)

क्र0 स0	वर्श	वाहन सख्या जिनका रजिस्ट्रे ान जाली था	वाहनो के जाली रजिस्ट्रे ान हेतु जिम्मेवार कर्मचारियो के विरूद्ध की गई कार्यवाही
1.	1998–99	भून्य	
2.	1999–2000		
3.	2000–2001		
4.	2001–2002	कार–50	
	15.1.2002	जीप/मैटाडोरः5	इस सम्बन्ध मे जिम्मेवार पाए गए

		मोटर साईकिल 1	अधिकारी एमव कर्मचारियों के विरूद्ध सम्बन्धित
	कुल	56	कानूनी प्रावधानो के अर्न्तगत अभियोग अंकित किए गए है।

Filling up of posts in Police Department

858. Shri Ramesh Rana: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of posts in gropu 'A', 'B', 'C' and 'D' in Police Department lying vacanta as on 31st December, 2001;

(b) the number of persons recruited in each group during the last five years in the aforesaid Department; and

(c) the number of persons belonging to Scheduled Castes and Backward classes were recruited out of the persons referred to in part 'b' above?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमान जी, मांगी गई सूचना का विवरण सदन के पटल पर रखी है।

सूचना

(क) 31.12.2001 को ग्रुप 'क', 'ख', 'ग' तथा 'घ' के निम्नलिखित पर रिक्त थे।

ग्रुप 'क'	ग्रुप 'ख'	ग्रुप 'ग'	ग्रुप 'घ'
14	14	6307	191

(ख) उपरोक्त विभाग मे पिछले पांच वर्शो मे प्रत्येक ग्रुप मे निम्नलिखित संख्याा मे भर्ती की गई'–				
वर्श	ग्रुप 'क'	ग्रुप 'ख'	ग्रुप 'ग'	ग्रुप 'घ'
1997	2	.	40	.
1998	3	..	1632	51
1999	1	...	155	34
2000	1	...	1943	37
2001	1	...	1950	63
कुल	8	..	5720	193

(ग) भाग 'ख' द ार्ाई गई नियुक्तियां मे से अनुसूचित जाति व पिछडे वर्ग के सदस्य निम्नलिखित संख्याा मे भर्ती किए गएः–

	ग्रुप 'क'		ग्रुप 'ख'		ग्रुप 'ग'		ग्रुप 'घ'	
	अनुसूचित जाति	पिछडी जाति	अनुसूचित जाति	पिछडी जाति	अनुसूचित जाति	पिछडी जाति	अनुसूचित जाति	पिछडी जाति
1997	...	....	...	...	1	10	3	1
1998	1	1	...	...	300	440	26	16
1999	....	....	...	....	29	58	12	9
2000	....	....	....	...	410	535	12	4
2001	....	....	...	...	353	494	18	9
कुल	1	1	...	...	1093	1537	71	39

Opening of Govt. Girls College, Biror

951. Smt. Anita Yadav: Will the Minister of State Education be pleased to state whether there is any prposal consideration of the Government to open a Government College for Girls in Village Biror, Distt Jhajjar Building for which has already been constructed there?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौधरी बहादुर सिंह)': नही, श्रीमान् जी।

Bifurcation of Power Distribution System

889. Sh. Pawan Kumar Dewan: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any scheme with the department for bufurcation and trifucation of heavily overloaded feeders in the Power Districbution System; if so, the details thereof, alongwith the number of feeders bifurcated and trifurcated in the last 2 years?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां, श्रीमान जी। बिजली वितरण प्रणाली को सुदृढ करने के लिए अत्याधिक भार वाले/लम्बे 11 के.वी. फीडरो को द्विवितभाजित/त्रिविभाजित किया जा रहा है। 282 ऐसे फीडरो की पहचान कर ली गई है तथा इन फीडरो पर कार्य वर्श 2002–2003 के दौरान पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

पिछले 2 वर्शो के दौरान, 60 अत्याधिक भार वाले 11 के.वी. फीडरो को द्विवितभाजित/त्रिविभाजित करके पहले ही 163

फीडरो मे बदल दिया गया है। इन कार्यो के क्रियान्वयन से बाधांए/ब्रेकडाऊन कम हो गए है तथा इससे प्रणाली की वि वसनीयता तथा बिजली आपूर्ति की गुणवता मे काफी सुधार आया है।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will mak obituary reference.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से एक भाोक प्रस्ताव सदन के सम्मुख प्रस्तुत करता हू।

अध्यक्ष महोदय, यह सदन श्री सोहन सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 19 मार्च, 2002 को हुए दुखद निधनपर गहरा भाोक प्रकट करता है। ये ग्राम मंधार जिला यमुनानगर के रहने वाले थे।

उनका जन्म 1917 को हुआ। वह 1939 से 1945 तक आजाद हिन्दर फौज मे कार्यरत रहे। उन्होने नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के साथ स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल गये। उन्हे 1972 दमे 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया। उन्हे 1955 मे राज्य सरकार द्वारा भी सम्मानित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे दे ा भगत की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिंवगत

के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने भाोंक प्रस्ताव रखा है उसमे हम सब भी अपने आपको भाामिल करते है और इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करते है। लेनिक मै आपसे एक अनुरोध करना चाहूंगा कि जो भी भाोक प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी सदन मे रखे, उनकी एक प्रति हमे भी मिलनी चाहिए।

श्री ओमप्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि कई मरतबा अचानक भाोक प्रस्ताव आ जाते है जिसके कारण सभी सदस्यो को प्रति नही दी जाती। यही कारण है कि अचानक भाोक प्रस्ताव आने पर सै ान के बीच मे ही इसको सदन मे रखा जाता है।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है, उसके साथ मै भी अपने आप को जोडता हू। भाोकाकुल परिवार को सदन की संवेदना पहुचा दी जायेगी। अब मै दिवगंत आत्मा के सम्मान मे श्रद्धाजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण के लिए सदन के सभी सदस्यो को खडा होने के लिए अनुरोध करूंगा।

(इस समय सदन ने दिंवगत आत्मा के सम्मान मे खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव की सूचना

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पलवल भ्ाुगर मिल की पिराई के बारे मै मैने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव आपके विचाराधीन दिया था। वहां पर इस मिल द्वारा पिराई न करने के कारण किसानो का बहुत ज्यादा गन्ना खेतो मे खडा है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपका यह प्रस्ताव डिस अलाउ कर दिया गया है, प्लीज आप बैठे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इसमे तो कोई बडी बात नही है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, बडी बात नही है इसीलिए इसको डिस अलाउ किया गया है। गन्ने की खरीद के बारे मै प्र ान भी आ चुका है और गन्ना खरीदा भी जा रहा है इसलिए आप बैठे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै चाहता हू कि चौधरी सम्पत सिंह जी और करतार सिंह भडाना जी मुझे आ वासन दे दे कि पलवल के किसानो का सारा गन्ना पलवल भ्ाुगर मिल खरीदेगी।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि किसान का पूरा

गन्ना खरीदने के बारे माननीय मुख्यमंत्री जी पहले ही आ वासन दे चुके है।

नगर एवम ग्राम आयोजन (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर साहब, मै आपके माध्ये से बताना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने, साहकारिता मंत्री जी ने और कृशि मंत्री जी ने अनेको अवसरो पर किसानो को आ वासन दिया है कि उनका एक एक गन्ना खरीदा जायेगा। श्री कर्ण सिंह जी भी हरियाणा मे रही रहते है। स्पीकर साहब, जिस समय स्वर्गीय देवी लाल जी मुख्यमंत्री जी थे उस समय भी गन्ने की खरीद का समय 6 महीने तक चलता था और मै पूरे सदन को oh behalf of Chief Minister आ वासन देता हू कि किसानो का हरियाणा प्रदे ा मे एक एक गन्न खरीदा जायेगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: दलाल साहब, आप बैठ। मंत्री जी ने आ वासन दे दिया है कि किसानो का पूरा गन्ना खरीदा जायेगा। यह किसान की मर्जी है कि वह अपना गन्ना कंहा बेचेगा।

चौ. जय प्रका ा बरवाला: स्पीकर साहब, जैसा कि मंत्री जी कह रहे है कि एक एक गन्ना खरीदा जायेगा तो मै इस बारे मे एक बात कहना चाहूंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: जय प्रका ा जी, प्लीज आप बैठिए क्योकि अभी मंत्री जी ने आ वासन दिया है कि किसानो का सारे गन्ना खरीदा जायेगा।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): स्पीकर सर, अब ये किसानो के गन्ने की बात कर रहे है लेनिक जिस समय इनकी सरकार थी उस समय इन्होनै गन्ने का भाव 50 पैसे प्रति क्विटंल बढाया था और जब किसानो ने इसका विरोध किया तो इन्होने किसान पर लाठिया चलवाई, गोलियां चलवाई और न जाने किसानो पर क्या क्या जुर्म करवाये लेकिन आज ये किसानो का गन्ना खरीदने की बात कर रहे है। (विघ्न) स्पीकर साहब, ये गन्ने की बात करते है, इनके समय मे तो गन्ने की बहुत बुरी हालत हुई थी। (ाोर एवम विघ्न) This Government is very much concerned about the farmers. अब गेंहू की फसल के बारे मे भी मुख्यमंत्री जी ने कह दिया है कि किसानो का एक एक दाना सरकार खरीदगी। (ाोर एवम विघ्न)

चौ0 भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ये हमारे बारे मे कहते है कि हमने गन्ने का रेट एक रूपये से कम बढाया था। (ाोर एवम विघ्न) हम मानते है आप काबिल मंत्री हो, लेकिन गलत बात तो न हो। (ाोर एवम विघ्न)

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, कभी ये चार साल का जिकर करते है तो कभी ये तीन साल का जिकर कते है। (ाोर एवम विघ्न) यह पूरे दे ा का रिकार्ड है कि सबसे ज्यादा गन्ने का रेट चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की सरकार के नेतृत्व चलने वाली सरकर ने किसानो को दिया है।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 15.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sitting of the Assembly idefnitely.

Mr Speakder: Motion moved-

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sitting of the Assembly idefnitely.

Mr Speakder: Question is-

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sitting of the Assembly idefnitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 16.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjournde sine die.

Mr Speakder: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjournde sine die.

Mr Speakder: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjournde sine die.

The motion was carried.

समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

प्राकल्लन समिति की 33वी रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Shri Krishan Lal Panwar, Chariperson, Committtee on Estimates will present the Thirty Third Report of the Committee on Estimates for the year 2001-2002 on the Budget Estimates for 2001-2002 Excise and Taxation Department.

Chariperson, Committtee on Estimates (Shri Krishan Lal Panwar): Sir, I beg to present the the Thirty Third Report of the Committee on Estimates for the year 2001-2002 on the Budget Estimates for 2001-2002 Excise and Taxation Department.

विधान कार्य

(i) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न0 1) बिल, 2002

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 2002 and will also move the motion for its consderation.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, be taken into consderation at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is

That Schedule be the Shedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(ii) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न0 2) बिल, 2002

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2002 and will also move the motion for its consderation.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, be taken into consderation at once.

श्री कृश्ण लाल (असंध) (अनूसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै हरियणा ऐप्रोप्रिए ान (न0 2) बिल, पर बोलना चाहता हू। हरियाणा प्रदे ा एक किसान प्रधान प्रदे ा है। किसान प्रधान प्रदे ा होने के नाते किसान के स्तर को ऊपर उठाया जाए यह

सरकार का कर्तव्य बनता है। आज चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार ने हरियाणा प्रदे ा के किसानो को अच्छी सहूलियते दी है। किसानो को पूर्ण रूप से बिजली मिली है, पानी मिला है, जिससे किसानों ने एग्रीकल्चर क्षेत्र मे अच्छी प्रोडक ान करके अच्छी फसल पैदा की और इसी कारण हरियाणा प्रदे ा ने जो सैट्रल पूल मे रिकार्ड अनाज देने का काम किया है उसके लिए हरियाणा सरकार को बधाई की पात्र है स्पीकर साहब, सबसे पहले मे बिजली के बारे मे कहना चाहूगा क्योकि गवर्नर एड्रैस और बजट पर सभी साथियो ने अपने अपने विचार रखे लेकिन उस समय मुझे बोलने का अवसर नही मिल सका था। अध्यक्ष महोदय, जो हरियाणा प्रदे ा की 36 बिरादरी है जिसमे कानपूर, मजूदर, व्यापारी, और दुकानदार सभी भाामिल है, उन सब को बिजली की जरूरत पडती है। इसलिए मै बिजली क विशय मे बोलना चाहता हू और यह बता देना चाहता हू कि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी और बहन मीनाक्षी आनन्नद जो एच.वी.पी.एन. की चेयरपर्सन है, ने इतनी मेहनत की कि जिससे आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बिजली पूर्ण रूप से मिल रही है, इस विशय मे ही मै बोलना चाहता हू। जुलाई, 1999 मे यह हरियाणा सरकार बनी और 1999 के बाद जिस प्रकार हरियाणा सरकार ने हमारी बिजली का लोड फैक्टरा बढाया है उसके विशय मे बताना चाहूंगा क्योकि हमारा जो पुराना लोड फैक्टर 49.2 प्रति ात था उसको हमारी सरकार ने बढा कर 59.38 प्रति ात किया है। इसी के साथ जो हमारा दैनिक विधुत उत्पादन था वह सरकार के आने के बाद 96 लाख यूनिटस

से बढाकर 136 लाख यूनिटस प्रति दिन हो गया है। यह 43 प्रति ात के करीबन वृद्धि हो गई है। इसी तरह से अब प्रति यूनिट कोयले की हमारी जो खपत है वह 838 ग्राम से घटकर 791 ग्राम हो गई है। जिसके कारण 73.76 करोड रूपये का हरियाणा सरकार को फायदा हुआ है। इसी प्रकार से जो फ्यूल कंज्मप ान है वह 12.70 मिली लीटर से घटकर 3.42 मिली लीटर हो गई है जिस से 83.41 करोड रूपये की सरकार को बचत हुई हैं। इसी तरह से एग्जलरी खपत 12.04 से घटकर 11.16 प्रति ात हो गई है।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से मे पानीपत थर्मल प्लांट के बारे मे खास करके जिकर करना चाहूगा। जब इस बारे मे बता होती है तो चौधरी बंसी लाल जी यह कहते है कि मैने ही यह थर्मल प्लांट बनवाया है जबकि विपक्ष की किसी भी सरकार ने कोई थर्मल प्लांट नही लगाया है। स्पीकर साहब, पानीपत मे जो 210 मैगावाट का 5वां और छठा यूनिट है उसके बारे मे चर्चा करना चाहूंगा। हम कोई भी प्लांट लगाते है तो उसको बनने मे कम से कम 3 साल लग जाते है। 1987 मे जब चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री बने थे तो उन्होने वहां पर युद्ध स्तर पर काम भाुरू करवाया था। इसके बाद जब चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी 1991 मे मुख्यमंत्री बने उस समय पांचवा यूनिट जो कि 210 मैगावाट का था, उसने लोड देना भाुरू कर दिया थ। यह रिकार्ड की बात है और उस समय वहा के कर्मचारियो को इसके लिए

इन्सैटिव भी मिला था। इसी प्रकार से जो छठा यूनिट है, चौधरी देवी लाल जी के समय मे उसको पांयलिंग का काम भी 100 प्रति ात हो गया था और 158.6 करोड रूपए के वर्क आंर्डर कर दिए गए थे। जिसमे से 100 करोड रूपए का सामना पांच साल तक चौधरी भजन लाल जी के राज मे और तीन साढे तीन साल तक चौधरी बंसी लाल जी के राज मे पडा रहा था। लेकिन उसको उठाया नही गया था। मै धन्यवाद करता हू चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी का कि इन्होने अपनी सरकार ने आने के बाद उस सामान को उठाया और उस छठी यूनिट को इतनी जल्दी तैयार करवाया। आज 210 मैगावाट के लोड पर वह प्लांट 50 लाख यूनिट हर रोज बिजली तैयार कर रहा है। इसी तरह से चौधरी बसी लाल ने ने अपनी पांनीपत के थर्मल प्लांट की यूनिट एक और यूनिट दो का लोड बढाने के लिए जर्मनी की एक कम्पनी ए. बी.बी. को ठेका दिया था। कितना लोड बढाने के लिए वह ठेका दिया था इसके बारे मे स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूगा। यह ठेका उस कम्पनी को 110 मैगावाट से 118.8 मैगावाट करने के लिए दिया था।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि ये पर्सनली छीटाकसी न करे। अगर ये पर्सनली छीटाकसी करेगे तो फिर मुझे पर्सनल एक्सपलेने ान देनी पडेगी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, बंसी लाल जी, अब आप बैठे।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको यह बताना चाहूगा कि यह नाम इसलिए लिया जाता है कि बावजूद विरोध के इन्होने कमी ान खाने के लिए उसका ठेका जर्मन की कम्पनी ए.बी.बी. को दे दिया। उस समय मैने और चौधरी भजन लाल जी ने इसका विरोध किया था। (ाोंर एवम व्यवधान) आप पहले मेरी बात तो सुन ले। (ाोंर एवम व्यवधान)

चौ. बसी लालः .....,

श्री अध्यक्षः बसी लाल जी जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः बसी लाल जी, आप सुनने की हिम्मत रखे। आपके कमी ान खाने के बहुत से किस्से है जो मेरे पास है। उनके बारे मे मै यहां पर कई दफा बता भी चुका हू। अगर सारे किस्से फिर से दोहराऊगां तो आप फिर बोलने लगा जाएगे। (ाोंर एवम व्यवधान) अगर मेरा इस तरह का कोई मामला हो तो आप बताए। अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से सारे सदन को बताना चाहूगा, वैसे सब को इस बात की जानकारी भी है कि मैने एक दफा लिखित मे ब्यान दिया था और हम तीनो के लिए कहा था कि चौधरी भजन लाल, चौधरी बसी लारल और मै खुद सुप्रीम कोर्ट मे जांए और थौरोली इन्क्वायरी करवाए कि किस के पास पु तैनी क्या था और राजनीति मे आने के बाद मे

क्या है। अध्यक्ष महोदय, लेनिक ये दोनो कोर्ट मे पहुचे थे जबकि मै वहां पर पहुच गया था। आज ये इन्कवायरी वाली बात करते है जबकि उस समय मे वहा पर ही नही पहुचे थे और बिल मे घुस गए थे। (ाोंर एवम व्यवधान) इस बारे मे मै आपको प्रैस की कटिंग प्रस्तुत कर दुंगा। (ाोंर एवम व्यवधान)

चौ. बसी लालः अगर ऐसी बात है तो आज तीनो के खिलाफ लिखकर सी.बी.आई. को केस भेज दो और उनसे इन्कवायरी करवा लो।

श्री अध्यक्षः बंसी लाल जी, आप बैठ जांए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अभी मैने आपको कल ही तो बताया था और आपसे उस बारे मे तसलीम भी किया था कि रघुबीर सिंह पुत्र मोहर सिंह इनका ठेका लिया करता था।

चौधरी बसी लालः वह मेरा भाई है।.....

श्री अध्यक्षः बंसी लाल जी, आप बैठ जांए। इनकी बात रिकार्ड नही की जाए।

श्री अध्यक्षः बंसी लाल जी, आप बैठ जांए। इनकी बात रिकार्ड नही की जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः आपको भाई के नाम पर जो ठेका था उनसे सरकार को 40 हजार रूपये मिलते थे। (ाोंर एवम व्यवधान) जंहा पहले सरकार को केवल हजारो रूपये मिलते

थे वहां आज करोडो रूपए मिलते है। चौधरी बंसी लाल जी, यह रिकार्ड की बात है। आपने एक जर्मन कम्पनी ए0बी0बी0 को पानीपत थर्मल प्लांट की यूनिट–1 और यूनिट–2 का जो 110 मैगावाट की थी, उनका लोड बढाने का ठेका दिया था और आपके साढे तीन साल के भाासन काल से लेकर वह अब तक भी खूला पडा हुआ है और वहां पर 50–60 करोड रूपए का सामान सरकार का है इससे 300 करोड का नुकसान हो गया है। साढे तीन साल हो गये अब तक वह खुला पडा है। अध्यक्ष महोदय, 6 साल हो गये लोगो को अब तक बिजली उपलब्ध नही हो पायी है।

चौ0 बसी लालः अध्यक्ष महोदय, हमने तो उसको कंट्रैक्ट दे दिया था लेकिन इन्होने कमी ान खाने के चक्कर मे ऐसा किया।.....

श्री अध्यक्षः अब बंसी लाल जी की बात रिकार्ड न करे क्योकि वे बगैर परमि ान के बोल रहे है।

चौधरी बसी लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये बाते असैम्बली के रिकार्ड मे है। मैने तो उस वक्त भी कहा था कि ये उसको ठेका कमी ान खाने के लिए दे रहे है इसको न दिया जाए लेकिन फिर भी इन्होने वह ठेका दे दिया ।

चौ0 बसी लालः .....

श्री अध्यक्षः बसी लाल जी आप बैठिए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरी बात को नही माना। उस समय जो ई0आई0सी0 रिटायर्ड मि0 पाठक उन्होने भी यही कहा था कि एस0वाई0एल0 नहर टेल के बजाय मूड से भाुरू करवाओ। उन्होने यह कहा था कि जो ड्रैन होती है वह टेल से खुदती है और नहरे मुड से खुदती है।

चौ. बसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये एक गलत बात को बार बार कहकर सच्ची करना चाहते है लेकिन ऐसा हुआ नही है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः नही नही, वह बात सच्ची ही है और मै तो उस बात को फिर दोहराने लग रहा हू। अध्यक्ष महोदय, ये भी बात को मान रहे है और इन्होने सदन मे भी यह माना है।

चौ. बसी लालः मै नही मान रहा हू।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जिस आदमी ने करोडो रूपये लगाकर वह नहर गोधवलासवा से बनवा दी और उसके बाद आज वह स्वंय विधान सभा मे कहता है कि जब तक पजांब से पानी न मिल जाए तब तक अभी एस0वाई0एल0 नहर की मरम्मत क्योक करवायी जाए। अब इनको उसकी मरम्मत पर ही आपति है।

चौधरी बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैने यह नही कहा कि उसकी मरम्मत न करवाओ बल्कि मैने यह कहा था कि इधर से उस पर काम भ्ाुरू तब करे जब उधर से पजांब उस नहर पर काम भ्ाुरू कर दे। यह आप रिकार्ड निकलवाकर देख ले मैने यही कहा है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः चौधरी साहब, फिर गोधवलावा गांव से लेकर पजांब बोर्डर तक आपने वह नहर क्यों बनवायी थी ? मूनक तक वह नहर क्यों बनवायी थी, पजांब बोर्डर तक किस लिए बनवायी थी ?

चौ. बसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर उस समय मे वह नहर न बनवाता तो पजांब से क्या कर रहे पानी मांगता?

श्री ओमप्रका ा चौटालाः ये बतांए तो सही कि इन्होने वह नहर बनवायी किस लिए थी? आज तो ये उसकी मरम्मत के लिए कहते है कि न करवाओ।

चौ. बसी लालः अध्यक्ष महोदय, उस समय मैने तो वह तीस करोड रूपये मे बना दी थी जबकि अब उसकी रिपेयर पर ही 12 करोड रूपये लगने का अनुमान है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये फिर उस समय मि. पाठक की बात को मानकर पानी आने के साथ ही उसको बनाते। केवल कमी ान खाने के लिए ही इन्होने वह नहर उस समय बनवायी थी क्योकि हरियाणा मे जो इस नहर का

कांस्ट्रक्शन हुआ था उसमे इनको कमी शन मिलता था जबकि पजांब मे होने वाले कंस्ट्रक्शंन पर इनको कमी शन नही मिलता था। इनकी कमी शन खाने की तो पुरानी आदत है।

चौ. बसी लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः बसी लाल जी की बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओमप्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कमी शन खाने के लिए तो बंसी लाल जी बाथरूम मे भी जा लिए थे।

चौ. बसी लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः बंसी लाल जी, अब आप बैठे। पवांर साहब, आप कन्टीन्यू करे।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि तीन सौ करोड रूपये की लागत पर ए.बी. कम्पनी को यूनिट एक और यूनिट दो का ठेका इनका लोढ बढाने के लिए दिया गया था। वहां पर जो पहली यूनिट 110 मैगावाट की थी उसका चार महीने का समय दिया गया था कि चार महीने मे यह यूनिट तैयार कर दे लेकिन तीन साढे तीन साल तक वे दोनो यूनिट बद रही हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चोधरी ओमप्रकाश चौटाला और बहन मीनाक्षी आन्नद ने उस पानीपत थर्मल प्लांट की 110 मैगावाट की दूसरी यूनिट की जिस का ए.बी.बी. कम्पनी को ठेका दिया था, ओवरहालिंग की है इसमे इलैक्ट्रो स्टेटिक प्रोसपीटेटर, इण्डू,

ड्राफटमैन, फोर्स ड्राफटमैन, प्राईमरी एयर खर्चा किया है। अब इस यूनिट का 114 मैगावाट तक लोड फैक्टर बढा है। इस यूनिट को 114 मैगावाट तक चलाया गया है। इन्होने इन दोनो यूनिटस का ठेका तीन सौ करोड रूपये मे दिया था जबकि अब दूसरी यूनिट पर केवल पांच करोड रूपया ही खर्च किया गया है।

श्री ओमप्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, क्या बसी लाल की अब भी तस्सली नही हुई ? इन्होने जिन दो यूनिटस का ठेका किया था उसमे से एक यूनिट तो चालू हालत मे नही है लेकिन मौजूदा सरकार ने दूसरी यूनिट को केवल पांच करोड रूपये लगाकर तैयार करवा दिया और अब यह दनादन बिजली देने लग रही है। पहली वाली यूनिट के लिए हमे अदालत के दरवाजे खटखटाने पड रहे है। इन्होने तीन सौ करोड रूपये का नुकसान करवा दिया।

चौ. बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने दोनेा यूनिटस का नही बल्कि चारो यूनिटस का ठेका दिया था और कानून कायदे के हिसाब से दिया था। बाकायदा एक्सपर्टस को ऐग्जामिन करवाकर दिया था। अब अगर ये उनमे पैसा मागगे तो वे जर्मनी वाले इनको पैसा क्यो देगे?

श्री अध्यक्ष: बंसी लाल जी, आप बैठिए। मै आपको बताना चाहता हू कि ताऊ देवी लाल पानीपत थर्मल प्लांट मेरे क्षेत्र

मे है। उस प्लांट की यूनिट न0 2 का ए.बी.बी. कम्पनी अधूरा छोडकर चली गई थी।

चौ. बसी लालः अध्यक्ष महोदय, वह इसलिए छोडकर चली गयी क्योकि ये उस कमी ान मांगते थे।

श्री अध्यक्षः नही नही, कोई कमी ान की बात नही है। मै इस मामले के बारे मे आपसे ज्यादा मानता हू। वह कम्पनी तो छोडकर चली गयी और दूसरी यूनिट ने काम नही किया। अगर वह कम्पनी उसको टाइम पर बनती तो दिक्कत न आती। चाहे 110 मैगावाट के बजाए 118 मैगावाट बिजली मिलती या 110 मैगावाट बिजली ही मिलती, अगर यह सरकार उसका काम भाुरू न करती तो जो लगातार इतनी बिजली का नुसान हुआ है वह होता रहता। वह कई सौ करोड रूपयो का मामला है। इसके कारण किसान और व्यापारी सभी पेर ाान है। वह एक इंटरने ानल कंटैक्ट है। यदि सुओ मोटो स्टेट गवर्नमैंट उसको कह देती कि आप भागिए तो यह भी बडा मु कल था। स्टेट गवर्नमैंट यह भी नही कह सकती कि आप छोडकर जाइये क्योंकि इसके भी आर्बीट्रे ान तथा दूसरे और चक्कर होते है। इसलिए मै कहना चाहूगा कि वाकई मे इस बात से बडा नुकसान हुआ है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो मुझे विदे ा जाने का अवसर मिला। जब मै हालैड से जर्मनी जा रहा था तो मुझे ट्रैन के अंदर ए.बी.बी. कम्पनी लिखा हुआ मिला। मै

जब वापसी मे आया तो मेरे मन मे इस बात की पीडा थी हरियाणा प्रदे ा ने पानीपत थर्मल पावर प्लांट के दो यूनिट को लोड बढाने का ठेका ए.बी.बी. कम्पनी को दिया है क्या वह इस कार्य को करने की क्षमता रखती या नही? धीरपाल जी मेरे साथ थे हमने जाकर देखा कि वह कम्पनी इस कार्य को करने की क्षमता नही रखती थी। इन्होने केवल कमी ान खाने के लिए इस कम्पनी को ठेका दिया था। ऐसी कम्पनियों को ठेका देकर बिजली बोर्ड, थर्मल प्लांट व हरियाणा प्रदे ा को लूटने का काम किया था। अपनी रिप्लाई मे सी.पी.एस. महोदय ने बताया था कि यमुनानगर मे बनने वाले पावर प्लांट का ठेका चौधरी भजन लाल ने आइजनबर्ग का नाम की कम्पनी को दिया था। जब राम पाल माजरा जी विदे ा यात्राा पर गए थे तो उन्होने इस कम्पनी के बारे मे जानकारी ली थी। इन्हे पता लगा कि यह कम्पनी खिलौने, सुर्खी, बिंदी व काजल आदि सामान बनाने का काम करती थी। थर्मल प्लांट पर काम करने का इस कम्पनी को कोई ऐक्सपीरियैंस नही था। इस प्रकार से इन्होने थर्मल प्लांट और बिजली बोर्ड को लूटने का काम किया है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से हमारे प्लांट लोड फैक्टर के हिसाब से हरियाणा मे थर्मल पांवर प्लांट स्टे ानो मे किस सरकार के समय मे लोड बढा है, यह मै बताना चाहूगा। 1991 मे जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी उस समय विधुत उत्पादन 372761 लाख यूनिटा था व प्लांट लोड फैक्टर 45. 76 था, 1992–93 मे विधुत उत्पादन 37519 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 50.03 था, 1993–94 मे विधुत उत्पादन 28850

लाख यूनिट था वा प्लांट लोड फैक्टर 40.41 था, 1994–95 मे विधुत उत्पादन 31912 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 42. 82 था, 1995–96 मे विधुत उत्पादन 30558 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 42.82 था, 1996–97 मे विधुत उत्पादन 34029 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 47.66 था, 1997–98 मे विधुत उत्पादन 35107 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 99. 19 था, 1999–99 मे विधुत उत्पादन 35137 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 49.24 था, 2000–01 मे विधुत उत्पादन 35506 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 49.73 था, 2001–02 मे विधुत उत्पादन 45653 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 60. 08 था, इसी प्रकार से स्पीकर सर, तेल खपत मे और कोयले की खपत मे प्रति यूनिट मे जो कमी आई उसके बारे मे मै बताना चाहूगा। 1991–92 मे 16.75 मिली लीटर प्रति यूनिट तेल खपत थी व कोयले की खप 800 ग्राम प्रति यूनिट रही, 1992–93 मे 13.77 मिली लीटर प्रति यूनिट तेल खपत थी व कोयले की खप 797 ग्राम प्रति यूनिट रही, 1993–94 मे 15.22 मिली लीटर प्रति यूनिट तेल खपत थी व कोयले की खप 814 ग्राम रही, 1994–95 मे 14.15 मिली कोयले की खप 788 ग्राम रही, 1995–96 मे तेल खपत 17.59 व कोयले की खपत 818 ग्राम रही, 1996–97 मे तेल खपत 18.63 व कोयला खपत 844 ग्राम रही, 1997–98 मे तेल खपत 12.99 व कोयले की खपत 843 ग्राम रही, 1998–99 मे तेल खपत 12.70 व कोयले की खपत 838 ग्राम रही, 1999–2000 मे तेल खपत 6.38 व कोयले की खपत 803 ग्राम रही। अध्यक्ष

महोदय, हमरी सरकार आने के बाद तेल की खपत 12.70 मिली यूनिट प्रति यूनिट से कम होकर 6.38 मिली लीटर प्रति यूनिट हुई व आगे चलकर 2000–01 मे 5.97 मिली लीटर हो गई व कोयले की खपत 816 ग्राम हो गई व 2001–2002 मे और घटकर यह 3. 42 मिली लीटर प्रति यूनिट तक पहुच गई व कोयले की खपत 791 ग्राम दर पहुचे गई। अध्यक्ष महोदय, आप अंदाजा लगाए कि हमारी सरकार तेल खतप 16.75 मिली लीटर प्रति यूनिट से घटाकर 3.42 मिली लीटर प्रति यूनिट पर ले आया है और काफी बचत की है, इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। अब मै लाइन लौसिज के बारे मे कहना चाहूगा। पिछली सरकारे 30 से 32 परसैट तक लाइन लौसिज दिखाती रही है। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद 2001–02 मे हरियाणा विधुत नियामक आयोग ने अपने टैरिफ आर्डर मे यह स्पश्ट किया है कि असल मे हरियाणा मे अधिक लाईन लौसिस हो रहे है। वर्श 2000–01 के लिए 47.71 प्रति ात लाइन लोसिस आये थे जिनको सरपल्स कह सकते है। लेकिन इस सरकार ने ठोस कदम उठाकर लाइन लोसिज को घटाकर 38.26 प्रति ात तक किया है और इन दो वर्शा के अन्दर लाइन लोसिज कम करने का सरकार का लक्ष्य 9. 45 प्रति ात का है। इसी प्रकार स्पीकर सर, 1996–97 से मार्च 2002 तक पावर सप्लाई प्रदे ा मे कितनी की गई उसके आकडे भी मै बताना चाहता हू। अप्रैल 1996–97 मे 333 लाख यूनिट प्रतिदिन, मई 1996–97 मे 371 लाख यूनिट प्रतिदिन, जून 1996–97 मे 361 लाख यूनिटस प्रतिदिन, जुलाई, 1996–97 मे

398 लाख यूनिट प्रतिदिन, 1996–97 अगस्त मे 385 लाख यूनिट प्रतिदिन, सितम्ब मे 371, अक्टूबर मे 359, नवम्बर मे 353, दिसम्बर मे 339, जनवरी मे 312, फरवरी मे 317 और मार्च मे 319 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है इसी तरह से पावर सप्लाई का एवरेज 348 लाख यूनिट प्रतिदिन का है। इसी प्रकार से वर्श 1997–98 मे अप्रैल मे 303, मई मे 334, जून मे 338, जुलाई मे 396, अगस्त मे 378, सितम्बर मे 399, अक्टूबर मे 311, नवम्बर मे 306, दिसम्बर मे 329, जनवरी मे 285, फरवरी मे 306 और मार्च मे 320 और एवरेज 348 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है। इसी प्रकार से वर्श 1998–99 मे अप्रैल मे 334, मई मे 364, जून मे 394, जुलाई मे 424, अगस्त मे 422, सितम्बर मे 378 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है, (ाोर एवम व्यवधान)

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इतने लम्बे डिसक ान की बात नही है मेरा आपसे निवेदन यह है कि इस स्अेटमैंट की एक कापी का प्रैस नौट बनाकर प्रैस मे दे दिया जाये उसको ही हम भी देख लेगे।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिये।

श्री कृश्ण लालः चौधरी भजन लाल जी, इन मे एक परसैंट का भी फर्क नही है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, बिजली का रेट कितना बढाया है यह भी बता दे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, 1998–99 मे अक्टूबर मे 316 लाख यूनिट प्रतिदिन, नवम्बर मे 335, दिसम्बर मे 371, जनवरी मे 382, फरवरी मे और मार्च 328 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है इस तरह से पावर सप्लाई एवरेज 367 लाख यूनिट प्रतिदिन का रहा है। इसी प्रकार से वर्श 1999–2000 मे अप्रैल मे 332, मई मे 381, जून मे 424, जुलाई मे 469, अगस्त मे 488, सितम्बर मे 484, अक्टूबर मे 398, नवम्बर मे 379, दिसम्बर मे 397, जनवरी मे 359, फरवरी मे 366 और मार्च मे 343 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है इस तरह से एवरेज 416 लाख यूनिट प्रतिदिन का रहा है, इस प्रकार वर्श 2000–01 मे अप्रैल मे 375, मई मे 442, जून मे 463, जुलाई मे 483, अगस्त मे 524, सितम्बर मे 503, अक्टूबर मे 476, नवम्बर मे 419, दिसम्बर मे 437, जनवरी मे 404, फरवरी मे 420, मार्च मे 435, लाख यूनिट प्रतिदिन पावर सप्लाई रही है। इस तरह से एवरेज 447 लाख यूनिट प्रतिदिन का रहा है। और इसी प्रकार वर्श 2001–02 अप्रैल मे 384, मई मे 423, जून मे 490, जूलाई मे 458, अगस्त मे 565, सितम्बर मे 557, अक्टूबर मे 485, नवम्बर मे 438, दिसम्बर मे 447, जनवरी मे 457, फरवरी मे 438 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई हो रहीहै। इस तरह से एवरेज 481 लाख यूनिट प्रतिदिन का है। इसी प्रकार स्पीकर साहब, जैसा की हुडा साहब ने बिजली

के रेटस बढाने के बारे मे कहा उसके बारे मे मै चौधरी भजन लाल की सरकार के समय मे कितनी बार बिजली के रेटस बढे है। वे मै 28.6.79 से 5.6.86 तक के और 23.6.1991 से 10.5.1996 तक के बता देता हू। 23.7.80 को 20 प्रति ात, 1.1.81 को दस प्रति ात, 14.9.1982 को 5 पैसे प्रतियूनिट सरचार्ज बढाया गया था। इसी तरह से 15.9.1993 को औधोगिक उपभोक्ताओ पर 50 प्रति ात की, 1.10.1984 को औधोगिक उपभोक्ताओ पर 50 प्रति ात की, 5.6.1992 को 12 प्रति ात की, 1.2.1994 को 12 प्रति ात की 28.12.1994 को 25 प्रति ात की वृद्धि हुई थी। 28. 6.79 से 5.6.86 तक और 23.6.1991 से 10.5.1996 तक फयूल सरचार्ज मे वृद्धि इस प्रकार से हुई 1.8.81 को 5 पैसे प्रति यूनिट, 1.10.81 को 5 से 5.5 , 1.4.1982 को 5.5 से 8, 1.10.82 को 8 से 10, 1.4.1983 को 10 से 11, 1.10.1983 को 11 से 12, 1.4.1984 को 12 से 16, 1.10.84 को 16 से 17 पैसे की वृद्धि हुई और 1.4. 1985 करे फयूल सरचार्ज मे जो वृद्धि हुई थी उसे बिजली की दरो मे भाामिल कर लिया गया था। 1.10.1995 को 2.5, 1.4.1986 को 2.5 से 5.5, 16.8.1991 को 42 से 45, 28.12.91 को 45 से 53, 1. 4.92 को 53 से 53, 16.9.92 को 56 से 61, 17.2.1993 को 61 से 66, 1.4.1993 को 66 से 72, 18.6.93 को 73 से 74, 29.1.94 को 74 से 75, 1.4.94 को 75 से 81, 16.6.94 को 81 से 83, 11.10.94 को 83 से 85 और 28.12.94 को जो फयूल सरचार्ज मे वृद्धि हुई उसे बिजली की दरो मे भाामिल कर लिया गया, 1.4.1995 को 5, 29.12.95 को 5 से 10 और 1.4.1996 को 10 से 18 प्रति यूनिट

फ्यूल सरचार्ज मे वृद्धि हुई। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी के भाासन काल मे यानी 5.6.1986 से 20.6.87 तक आपैर 11.5.96 से 24.7.99 तक बिजली की दरो मे जो वृद्धि हुई है वह इस प्रकार है 1.7.1996 को 20 प्रति ात और 15.6.1998 को 15 प्रति ात की दर से वृद्धि हुई है। इस प्रकार इस समय के दौरान जो फ्यूल सरचार्ज मे वृद्धि वह इसी प्रकार है। 1.10.86 को 5.5 से 6 पैसे प्रति यूनिट, 1.4.87 को 6 से 9 प्रति यूनिट, 1.4.87 को 6 से 9, 1. 7.96 को 8 पैसे प्रति यूनिट और उसमे 10 पैसे बिजली की दरो मे भाामिल किए गए, 2.7.1996 को 8 से 13 पैसे प्रति यूनिट, 1.8.96 को 13 से 19, 20.10.96 को 19 से 22, 1.4.97 को 22 से 35, 2.9. 97 को 35 से 38, 15.10.97 को 38 से 41 पैसे, 15.6.98 को जो वृद्धि हुई उसे बिजली की दरो मे भाामिल कर दिया गया। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला की वर्तमान सरकार मे 1.10.2001 को बिजली की दर मे 11.3 प्रति ात और 1.9.2001 को 0.8 प्रति ात की वृद्धि हुई है। इस सरकार के समय मे फ्यूल सरचार्ज मे वृद्धि हुई है। वह इस प्रकार है 1.8.2000 को 5 प्रति ात था लेकिन 1. 8.2001 को उस 5 प्रति ात को भी हटा दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी के भाासन काल मे जून 1986 से जून 1987 तक दो बार फ्यूल सरचार्ज बढाया गया जो कि 3.5 पैसे प्रति यूनिट रहा एवम मई 1996 से जुलाई 1999 के दौरान 7 बार फ्यूल पर सरचार्ज बढाया गया जो कि 33 पैसे प्रति यूनिट रहा था।

चौधरी भजन लाल के समय मे 28.6.1979 से 5.6.1986 तक 10 बार फ्यूल सरचाार्ज मे लगाया गया जो कि 22.5 पैसे प्रति यूनिट रहा। इसी प्रकार जून 1991 से मई 1996 के दौरान 14 बार फ्यूल सरचार्ज बढाया गया जो कि 61 प्रति यूनिट रहा। जबकि वर्तमान सरकार के भाासनकाल मे केवल एक बार 5 प्रति ात फ्यूल सरचार्ज लगाया गया जो कि एक साल के बाद हटा दिया गया। इस प्रकार घरेलू उपभोक्ताओ को 10 पैसे प्रति यूनिट, बडे उधोगो को 20 पैसे प्रति यूनिट व अन्य उपभोक्तओ को 21 पैसे प्रति यूनिट का लाभ हुआ। यह पहली बार हुआ कि फ्यूल सरचार्ज लगाकर हटा लिया गया वरना पहली सरकारो मे यह होता था कि एक बार फ्यूल सरचार्ज लगाने के बाद उसको हटा के बजाया बिजली की दरो मे पक्के तौर मे भाामिल कर दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार अब मै पिछले 16 वर्शा मे टयूबवैल्ज के कनैक ान किस सरकार ने कितने दिए, उसके बारे मे बताना चाहूगा। इसी प्रकार अब मै पिछले 16 वर्शा मे टयूबवैल्ज के कनैक ान किस सरकार ने कितने दिए, उसके बारे मे बताना चाहूगा इस पता लग जायेगा कि किस सरकार ने ज्यादा टयूबवैल कनैक ान दिए है। 1986–87 मे 16425, 1987–88 मे 26362, 1998–89 मे 6508, 1986–90 मे 16502, 1990–91 मे 10260, 1991–92 मे 23269, 1992–93 मे 14376, 1993–94 मे 4234, 1994–95 मे 3233, 1995–96 मे 2647, 1996–97 मे 1859, 1997–98 मे 960, 1998–99 मे 783, 1999–2000 मे 820, 2000–2001 मे 9450 और 2001–2002 मे 6607 टयूबवैल्ज के दिए

गये है, स्पीकर साहब, हमारी सरकार के समय मे सबसे ज्यादा 144295द कनैक ान ट्यूबवैल के दिए गए है। यह आकडे बताते है और यह रिकार्ड की बात है जबकि दूसरी सरकारो के समय मे 44969 के कनैक ान ही दिए गए है। यह आकडे बताते है और यह रिकार्ड की बात है जबकि दूसरे सरकारो के समय मे 44969 कनैक ान ही दिए गये। स्पीकर साहब, इसके अतिरिक्त वर्तमान सरकार ने 185 करोड रूपये की लागत से 102 सब स्टे ानो की बिजली की क्षमता बढाई है और 20 नये उपकेन्द्रो चालू किए है। 63.25 करोड रूपये की लागत से 435 किलामीटर की बिजली की नई लाइने खडी करवाई है। इसी तरह से 30 जून 2001 को 577. 51 लाख यूनिट बिजली प्रति दिन सप्लासई करके हमारी सरकार ने अपना ही रिकार्ड तोडा और उससे पहले 13 अगस्त, 2000 को 576.56 लाख यूनिट बिजली प्रतिदिन देकर रिकार्ड बनाया था। इसके अतिरिक्त 2000–2001 के दौरान ट्रास्फार्मरों की जलने की दर मे 7 प्रति ात की कमी आई है। स्पीकर साहब, जो बिजली के बिलो का पैसा कन्जूमर की तरफ बकाया था, उसको हमारी सरकार बडे प्यार से वसूल कर रही है और जूलाई, 1999 से दिसम्बर 2001 तक 820.40 करोड रूपये की रा ि ा वसूल की गई है। जबकि चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय मे बिजली के बिल वसूल करनै के लिए किसानो पर गोलियां चलाई जाती थी। मेरे भाई नफे सिंह जुडंला के हल्के के गांव मे कांग्रेस की सरकार के समय मे किसानो पर गोलियां चलाई गई थी। स्पीकर साहब, इसके अतिरिक्त हमारी सरकार नई वर्श 2002–2003 के

लिए बिजली के लिए 1144.10 करोड रूपये की योजना तैयार की है। इससे किसान और प्रदे ा की जनता लाभान्वित होगी। इससे ट्रांसफार्मर भी डेमेज कम होगे। स्पीकर सर, हमारी सरकार की अच्छी बिजली नीति के कारण ट्रांसफार्मर्ज की डेमेज दर मे कमी आई है। 1997'98 मे 33.77 प्रति ात ट्रांसफार्मर डेमेज हुए, 1998–99 मे 28.21 प्रति ात ट्रासफार्मर डैमेज हुए, 1999–2000 मे 24.76 प्रति ात ट्रासफार्मर डैमेज हुए, तथा इस वर्श मार्च तक 14. 08 प प्रति ात ट्रासफार्मर डैमेज हुए है। इससे पता लगात है कि प्रति ात ट्रासफार्मर डेमेज हमारे समय से कम हो रही है और हमारी सरकार कन्जूमर्स को अच्छी बिजली मुहैया कराने के लिए कितने प्रयास कर रही है। हमारे समय प्रति ात ट्रासफार्मर डैमेज कम इसलिए हुए है क्योंकि हमारी सरकार ने पूरी वोल्टेज बिजली को दी है जबकि पहले वासी सरकारे किसानों को बिजली की पूरी वोल्टेज नही देती थी जिसके कारण अधिक मात्रा मे ट्रासफार्मर डैमेज होते थे और किसानो की मोटरे भी ज्यादा खराब होती थी। लेकिन हमारी सरकार ने बिजली की पूरी वोल्टेज दी है और इस सीजन मे किसान की मोटर एक बार भी कम वोल्टेज के कारण डैमेज नही हुई। इसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देता हू। स्पीकर साहब, अब मै सहकारिता विभाग के बारे मे कुछ कहना चाहता हू। हरियाणा सरकार की सहकारिता के क्षेत्र मे काफी अचीव्मैटस रही है। सहकारिता के अन्दर किसानो को बहुत ज्यादा लाभ पहुचा है। जिससे आज हरियाणा प्रदे ा का किसान बहुत खु ाहाल है। हरियाणा मे 84 प्रति ात सहकारी बैकों द्वारा

ऋण तथा 16 प्रति ात अन्य वाणिजय बैको द्वारा ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कृश्ण लाल जी, आप 2 मिनट मे वाइंड अप करे।

श्री कृश्ण लालः सर, मै जल्दी से वाईन्ड आप करूंगा। हरको बैको द्वारा किसानो को मदद पहुचाने के लिए गैर सरकारी रिवोल्विंग क्रैडिड कार्ड तैयार करवाये गए है जो किसानो को 2 लाख रूपये तक को लोन उपलब्ध करवाते है। इसी प्रकार से व्यापारियों को नकद उधार ऋण सीमा जो पहले 2 लाख रूपये तक थी उसको बढा कर 5 लाख रूपये कर दिया गया है। आज कार, बस, आटो रिक ाा और जो छोटे छोटे वाहन आते है उनको खरीदने के लिए ऋण लेने की सीमा भी 5 लाख रूपये से बढाकर 10 लाख रूपये कर दी है। किसानो के लिए लघु सिचांई की जो योजनाए है उन पर ऋण लेने पर एक परसेन्ट तथा अन्य ऋण योजनओ पर डेथ परसेन्ट तक ब्याज भी कम किया है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से जो केन्द्रीय सहकारी बैक है उनके द्वारा विधार्थियो को उच्च ि ाक्षा प्राप्त करने के लिए जो ऋण मिलता था उस कर्ज की मौजूदा सीमा जो 50 हजार रूपये तक थी उसको भी बढा कर एक लाख रूपये कर दिया है। इसी प्रकार से उपभोक्ता ऋण की सीमा भी 30 हजार से बढा कर 50 हजार रूपये कर दी है। सहकारी दुग्ध विकास समितियों से जो दुधा लिया जाता है उसकी पेमैंट भी अब 10वी दिन कर दी जाती है।

स्पीकर साहब, जब चेयर पर उपाध्यक्ष महोदय, थे तो उस वक्त मैने एक प्चांयट आफ आर्डर पर बोलने की कोि ा ा की थी लेकिन किन्ही कारणो से वे मुझे उस समय समय नही दे पाये थे। जो मुद्दा मै उस समय मे नही उठा सका था, वह अब मै आपके माध्यम से उठाना चाहता हू। मै सदन को बातना चाहता हू कि जब चौधरी देवी लाल जी 1987 मे मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त उन्होने असंध हल्के के फफडाना गांव मे एक भाूगर मिल लगाने की घोशणा की थी। अब मेरी मांग है कि चौधरी देवी लाल जी की उस घोशणा को पूरा करते हुए वहा पर एक भाूगर मिल लगायी जाये। स्पीकर साहब, मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि अंसध के एरिया के लोग 1977 से लेकर आज तक चौधरी देवी लाल जी व चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी के साथ चलते आ रहे है। अध्यक्ष महोदय, जो पूर्व की सरकारे रही है। उन्होने मेरे हल्के के अन्दर कभी एक ईट तक लगाने का काम नही किया। मै चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी का धन्यवाद करता हू कि इनकी सरकार बनने के बाद 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत बहुत सारे काम मेरे हल्के मे किये हुए नजर आएगे जिससे अब प्रत्येक गांव का आदमी खु ा है। अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि चौधरी देवी लाल जी ने 1987 मे अंसध हल्के मे भाूगर मिल लगाने की घोशणा की थी और चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी द्वारा 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत असंध मे जो अनाउसमैंट इस बारे मे की थी, उसको पूरा किया जाये। इसका सर्वे करने के लिए भी मुख्यमंत्री जी ने कहा था। मेरे कहने का मतलब यह है

कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सी.एम. साहब ने जो इस बारे मे अनाउंसमैंट की थी, मै उस भाुगर मिल की बात कर रहा हू। क्योकि अब तो इसका सर्वे भी हो चुका है। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि अंसध से दूर जितने भी भाुगर मिल लगे हुए चाहे वह जीन्द, पानीपत, कैथल या करनाल के भाूगर मिल हो, सभी के सभी अंसध से 50 किलोमीटर के फासले पर पडते है। मेरे हल्के के किसान छोटे छोटे है और मेरे हल्के के किसान वहा पर गन्ना उपजाना चाहते है लेकिन उनके पास साधन नही है। यदि अंसध हल्के के अन्दर भाूगर मिल लगायी जायेगी तो वहां के जो किसान है वे खु ाहाल होगे क्योकि वहां पर 50 किलोमीटर तक कोई भी भाूगर मिल नही है। अतः मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि अंसध हल्के के अन्दर एक भाूगर मिल की स्थापना की जाये। चौधरी देवी लाल जी ने घोशणा की थी उस पूरा करते हुए अगर वहां पर ताऊ चौधरी देवी लाल जी के नाम से भाूगर मिल लगाया जाता है तो इससे किसानो को बहुत ज्यादा लाभा होगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कृश्ण लाल जी, अब आप बैठिये।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै बोलना तो और भी चाहता था लेकिन आप मुझे बैठने के लिए कह रहे है तो मै आपका आदे ा मानते हुए अपनी बात यही पर समाप्त करता हू। आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान लेता हू। धन्यवाद।

श्री बलबीर सिंह (महम): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका आभार प्रकट करता हू। मै आपके माध्यम से अपने हल्के की जो 2–4 समस्यांए है उनकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूगा। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार को बने हुए आज अढाई वर्श हो चुके है। इन अढाई वर्शो के दौरान जो कार्य प्रान्त मे हुए है वे सब जगहो पर नजर आ रहे है, यह बात किसी से छिपी हुई नही है। अध्यक्ष महोदय, यहा पर हमारे विपक्ष के साथी और माननीय विपक्ष के नेता चौधरी भजन लाल जी भी बैठे हुए है। कहना तो इन्हे यह चाहिए कि सरकार ने ये ये अच्छे कार्य किए है और उन कार्यो की इनको प्र ंसा भी करनी चाहिए। (विघ्न) सरकार ने अच्छ कार्य किए है लेकिन अगर की किसी चीज पर सरकार का ध्यान नही गया और अपने इलाके मे किसी भी जगह अगर कोई समस्या है तो विपक्ष का काम है कि उसको अध्यक्ष महोदय, एक खास चीज देखने मे आई है। हम सब को हरियाणा की जनता ने चुन कर भेजा है, जनता हममे बडी आस्था रखती है और वह चाहती है कि हमारे क्षेत्र को, हमारे हल्के की जो समस्यांए है उनको दूर करवांएने न किस अपना फर्ज न निभाते हुए एक दूसरे पर आरोप लगाते रहेगे। इस बात मे मै भी आ लिया, सतापक्ष के लोग भी आ लिए और विपक्ष के साथी भी आ लिए। हम सभी लोग आपस मे घटिया बातो पर उतर आते है और जो फर्ज हमे सौपा गया है कि उसको हम अदा नही आ लिए। हम सभी लोग आपस मे घटिया बातो पर उतर आते है। अध्यक्ष

महोदय, यह एक गलत परम्परा है। चाहे सतापक्ष के साथी हो या चाहे विपक्ष के सम्मानित सदस्य हो, अगर कमी है तो उनको अपनी समस्यांए यहा हाउस मे रखनी चाहिए और उन सम्सयाओ पर विचार करना चाहिए कि हरियाणा प्रदे ा मे किस प्रकार से अच्छी सुविधाए मिल सकती है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर ऐसा माहौल नही है। अब यहा पर हम ज्यादातर झूठी पार्टी मे लगा करती थी। पहले हमारी पार्टी के कुछ लोग कही पर किसी की रेहडी को पलटा दिया करते थे या और किसी प्रकार की तोड फोड कर दिया करते थे। अध्यक्ष महोदय, अब मै खासतौर से आपके माध्यम से विपक्ष के सम्मानित नेता जी को कहना चाहूगा कि आप ध्यान करिये कि इस नीयत के जो लोग थे वे सारे इस समय आपके परिवार मे आपके धीरे जमा हो गए है और उसका रिजल्ट यह हुआ है कि अब वैसी हालत उधर हो गई है। कोई भी पार्टी जब अपनी ताकत का प्रद र्िन करना चाहती है, जलसे, जनसभा या रैली के माध्यम से अपनी नीयत तथा नीति जनता को बताती है कि यह हमारा कार्यक्रम है, यह हमारी पार्टी की नीयत है, यह हमारी पार्टी की नीति है, यह हमारी पार्टी का मन् ा है और अगर हमारी सरकार आएगो तो हम यह सहूलियते जनता को देंगे एवम इस प्रकार जनता की समस्यांए हल करेगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये लोग क्या करते है इसकी मिसाल भिवानी मे हुई रैली थी जिसमे इन लोगो ने स्टेज पर ही आपस मे जूतम पैजारी की। अगर इनकी अपनी पार्टी का यह हाल है तो ये लोगो का क्या भला करेगे। (विघ्न)

स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से कहना चाहूगा कि न इनके नीति है और न ही इनके पास सेवक है। ये सब बराबर है लंका मे बसे सब के सब नौ गजे है सब बराबर है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से कई बार देखा गया है कि हमारे विपक्ष के नेता चौधरी भजन लाल जी का अखबारो मे ब्यान आता था कि मै 6 महीने मे सरकार को तोड दूंगा और अगर नही टूटी तो मै सदन मे भाक्ल नही दिखांऊगा। चौधरी भजन लाल जी, आप भाक्ल नही दिखाएं चाहे आप सुसाईड कर जाए लेकिन यह सरकार टूटती नही। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह सरकार लोगो ने चुनकर बनायी है, लोगो का इस सरकार मे वि वास है। हम इनकी तरह से नही है कि आज इस घर मे है कल उस घर मे है और परसो दूसरे घर मे है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूगा कि विपक्ष के सदस्य जो बात कर रहे है, अगर सता पक्ष के किसी भी मैम्बर के मुंह से ऐसा कोई भाब्द सुना हो तो ये बता दे। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, भाई धर्मबीर सिंह, जय प्रका ा, रघुबीर सिंह कादियान ओर कर्ण सिंह दलाल सम्मानित सदस्य है और इनके अलावा एक दो और साथी है। जो इनकी तरह के है। यह ठीक है कि भगवान की माया है कि इनको पुरूश बना दिया है अगरो इनको ..... (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जांए। कैप्टन साहब आप बैठ जांए इन्होने कोई गलत बात नही कही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने यह बात कोई बुरी मं ाा से नही कही है या किसी भेदभाव से नही कही है। अब बीच मे ये भाई बोलने खउे हो गए है। मै इनको तो कुछ नही कहा है।

डा. रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। हमारे साथी बलबीर सिंह ने सदन मे ऐसी सारकास्टिक बात सदन के सामने की है। यह सदन की गरिमा के तहत निन्दनीय है। इसलिए उस बात को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री धर्मबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, ... (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...। ये तो इस बात का स्पश्टीकरण दे कि मैने जो जो बात कही है क्या वह गलत बात कही है ? मै आपके माध्यम से भाई धर्मबीर सिंह से पूछना चाहता हू कि .....

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,..... (ाोर एवम व्यवधान)

श्री जय प्रका ा बरवालाः स्पीकर साहब,.....

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,.....

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, जो बलबीर सिंह, धर्मबीर सिंह या जय प्रका ा जीने बाते कही है उसके बारे मे मेरा निवेदन है कि वह हाउस की कार्यवाही से निकलवा दी जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, ये सारी बाते रिकार्ड न की जाए डिलीट कर दी जाए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि कोई भी है चाहे पचायत का मैबर है, चाहे वह हरियाणा असैम्बली का मैबर है, चाहे पार्लियामैट का मैबर है जिस भी आदमी को पांच आदमी चुनते है उसको तो कम से कम अपना दीन, ईमान और धर्म पहचानना चाहिए। उसको तो कम से कम खाम्खवाह असत्य बात नही कहनी चाहिए। उसको इतना तो सोचना ही चाहिए कि जिन लोगो ने उसको चुना है वे क्या सोचगे ? मै सभी से यह प्रार्थना करना चाहूगा कि जो हरियाणा प्रदे ा मे लोगो को तकलीफे है उन पर विचार करे और उनको हल करे। यहां आकर आप लोग सुझाव दे न कि पर्सनल एक दूसरे के बारे मे बोले।

श्री अध्यक्षः बाली साहब, आप दो मिनट मे वांइड अप करे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा सारा टाईम तो ये ले गए। बडी मु कल से तो आपने मुझे बोलने के लिए टाईम दिया है। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाह रहा था कि किसी को नमक हरामी नही करनी चाहिए। कुछ लोग जिस थाली मे खाते है उसी मे छेद करते है। पहले यह कहा जाता था कि जिस घर मे अन्न पानी कर लिया, वह अपना है। विपक्ष के साथी यंहा बैठे हुए है मै उनसे यह कहना चाहता हू कि कम से कम उनको भी इस नीति का पालना करना चाहिए। 1991 से 1996 तक हरियाणा प्रदे ा मे कांग्रेस की सरकार थी और केन्द्र मे भी काग्रेस की सरकार थी व पी.वी. नरसिम्हाराव जी प्रधान मंत्री थे उस समय डी0ए0पी0 खाद का कट्टा 180 रूपये का होता था लेकिन उस समय की सरकार ने उसका दाम बढाकर सीधा 360 रूपये कर दिया था, सीधा डबल कर दिया था और अब ये अपने आप को किसान का हमदर्द कहते है। अध्यक्ष महोदय, अब आप हिसाब लगा ले। उसके बाद से अब तक कभी भी डी.ए.पी. खाद का रेट डबल नही हुआ। इसके अलावा इन्होने किसान के गन्ने का क्या भाव दिया? कभी पचास पैसे बढा दिये, कभी एक रूपया बढा दिया। लेकिन आज आदरणीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने पूरे दे ा मे सबसे ज्यादा गन्ने का रेट हरियाणा प्रदे ा मे दिया है। हरियाणा प्रदे ा मे इरीगे ान डिपार्टमैंट के नहर के 15 सर्कल है, एक सर्कल की सफाई, छटाई मे यदि 60 लाख रूपये लगते है तो साल मे एक बार मे इनकी सफाई पर 9 करोड रूपये लगे। मै आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करूंगा कि अगर यह सफाई

साल मे दो बार कराई जाए तेा 9 करोड रूपये भी नही लगेगे सिर्फ 4 या 5 करोड रूपये लगेगे और किसान को पूरा पानी भी मिल सकेगा। अध्यक्ष महोदय, जब पानी ज्याद आयेगा तो फसल ज्यादा होगी और जब फसल ज्यादा होगी तो अनाज भी ज्यादा होगी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हू कि इरीगे ान विभाग को ज्यादा धन देना चाहिये क्योकि वह विभाग किसानो के लिए बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी की, कृशि मंत्री श्री सन्धू साहब की और आदरणीय बडे भाई चौधरी बलवंत सिह मायना, चेयरमैन मार्केटिंग बोर्ड की जिनती तारीफ की जाये उतनी थोडी है। क्योकि मार्केटिंग बोर्ड से जितने काम इन्होने इन दो अढाई सालो मे कराये है उतने काम आज तक नही हुये। अध्यक्ष महोदय, मै एक उदाहरण देकर बताता हू कि अगर दो सडके तीन तीन किलोमीटर की बनती है और यदि एक सडक को पी.डब्यूल.डी. विभाग बना रहा है और एक दूसरे तीन किलोमीटर सडक को मार्केटिंग बोर्ड बना रहा है तो पैसा तो दोनो ने लगाया लेकिन मार्केटिंग बोर्ड ने जो सडके बनाई है उसकी अच्छी क्वालिटी होती है इसलिए मै सुझाव देना चाहता हू कि जितनी हरियाणा मे सडके बनाई जाये व सभी मार्केटिंग बोर्ड से बनवाई जानी चाहिए क्योकि बोर्ड की सडको की क्वालिटी अच्छी है। इसके अलावा जो गांवो की फिरनी की सडके सीमेन्ट से माननीय मुख्यमंत्री महेादय के कहने पर पंचायत विभाग से बनवाई है उनको भी मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनवाया जाना चाहिए क्योकि

उसकी क्वालिटी मे फर्क है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश मे जो सेम का इलाका है वहां पर जमीन बहुत खराब है। आपके माध्यम से मेरी माननीय मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना है कि जहां सेम का इलका है वहा टयूबवैलज लगाये जाये और उनके द्वारा वह पानी आगे के कम पानी वाले इलाके मे पहुंचाया जाये ताकि सेम भी खत्म हो जाये और जंहा पानी कम है वहा पानी भी पहुच जाये। इसके अलावा जंहा जहा पर कई सालो से हमारी सरकार की जो जमीन पडी है वहा पर वृक्ष लगाये जाते है उन पर काफी पैसा लगाया जाता है। इसके बारे मे मेरा सुझाव यह है कि जब इस तरह की जमीन पर वृक्ष लगाये जाये तक उस पैसे मे से कुछ पैसा बचा लिया जाये और उन वृक्षो के रख रखाव मे वह पैसा लगाया जाये क्योकि वृक्ष तो लगा दिये जाते है लेकिन रिजल्ट वह होता है कि उनका रख रखाव किया नही जाता और वे वृक्ष साल छः महीने मे ही सूख जाते है। इसलिए उनके रख रखाव के लिए भी पैसे की व्यवस्था की जाये ताकि जो वृक्षो लगाया जाये वह सम्पूर्ण वृक्ष बन सके। इसके साथ साथ मेरा सुझाव यह भी है कि जो वृक्ष लगाये जाये, वे फलदार होने चाहिए जैसे जामुन, आम। जहा ज्यादा सेम है वहां पर सागवान के पेड लगाये जाये इससे सरकार को भी बहुत फायदा होगा और वहां से सेम भी जल्दी खत्म हो जायेगी।

श्री अध्यक्षः बलबीर सिंह जी, आप जल्दी वांइड अप करे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है और सुझाव है कि रोहतक की डेयरियां भाहर से बाहर निकाली जांए। जब तक ये डेयरियां भाहर से बाहर नही निकाली जाएगी तक तक वहां की सफाई की व्यवस्था ठीक नही हो सकती। अध्यक्ष महोदय, मै खास तौर से विपक्ष के नेता से कहना चाहूंगा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो 1700 सिपाहियो को नौकरी से निकाल दिया है उसके लिए उस समय की हरियाणा प्रदे ा की सरकार और उस समय के आदरणीय मुख्यमंत्री जी की कमी रही है। आज विपक्ष के नेता उन निकाले हुए सिपाहियो की मीटिंग लेते है, उनको बहकतो है और कहते है कि हमारी सरकार आएगी तो तुम्हे दोबारा लगाएंगे उनको ऐसा नही करना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान) लेकिन चौधरी भजन लाल जी, अब आपका वह सपना पूरा नही होगा। (ाोर एवम व्यवधान) आपकी सरकार वाले दिन चले गए। पहले खरीफ फरोख्त करके आ गए लेकिन अब लोग समझ गए है।

चौ. भजन लालः बलीबर सिंह जी, यह सब तो जनता के हाथ मे है कि किसकी सरकार बनेगी और किसकी नही। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बाली साहब, आप जल्दी वांइड आप करे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महेादय, हमारे सम्मानित साथी, आदरणीय बडे भाई हुडा साहब कर रहे थे कि कलोई मे कोई

विकास के कार्य नही हुए, मै इनको बताना चाहूंगा कि कलोई क्षेत्र मे 16 सडके मार्किटिंग बोर्ड ने या तो बनाई है या फिर बनने जा रही है। यह रिकार्ड की बात है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी की जितनी तारीफ करू, उतनी काम है। आदरणीय मुख्यमंत्री ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम बनाया है उसके तहत चाहे सता पक्ष का मैम्बर हो या विपक्ष का मैम्बर हो, मुख्यमंत्री ने सभी के हल्को मे बराबर पैसा लगाकर बहुत बढिया काम किया है वरना पहले की सरकारे तो भेदभाव करती रही है। पिछली बसीलाल जी की सरकार भेदभाव करती थी। वे इस समय यहां बैठे नही है, अच्छा तो तब होता जब वे बैठे होते। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूगा कि उन्होने महम मे एक ड्रैन बनाने का काम जरूर भाुरू करवाया था। लाखन माजरा महम ड्रैन के लिए 25 करोड रूपये बंसी लाल जी ने दिए थे परन्तु वह पैसा ठीक ढंग से नही लगा था। उसमे अपने ही आदमियों को कमी ान दिया गया था। अभी तक वह ड्रैन अधूरी पडी है इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि उसको पूरा करवाया जाए।

श्री अध्यक्षः बाली साहब, अब आप बैठे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै एक दो मिनट मे अपनी बात बात समाप्त करूंगा। भजन लाल मै आपके पूछना चाहूगा कि महम मे आपने कोई रोड बनाई हो तो बता दे, कोई

विकास कार्य आपने करवाया हो तो बता दे। आपको तो एक ही काम था लूट लो। प्रधान मंत्री का, मुख्यमंत्री का और मंत्रियो का सबका लूट खसोट का सौदा था। हुडा साहब उस समय ब्यान देते थे कि इनकी नही चल रही जो कुछ भी हो रहा है वह चौधरी भजन लाल जी की मर्जी से हो रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः प्लीज, आप सभी बैठिये। बलबीर सिंह जी हाउस की सहमति से बोल रहे है पहले इन्हे अपनी बात पूरी करने दे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा प्रदे ा मे हर जगह विकास कार्य करवाये है। चाहे गलियां पक्की करवाने की बात हो, सडको बनाने की बात हो, स्कूलो मे कमरे बनवाने की बात हो, हरिजन और बैकवर्ड क्लास की चौपाले बनवाने की बात हो। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने हर जगह विकास कार्य करवाये है। इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय बधाई के पात्र है। स्पीकर सर, हरिजन की लडकी की भाादी के समय जो 5100 रूपये कन्यादान के रूप मे सरकार की तरफ से दिए जाते है यह भी बहुत सरहानीय कार्य है। स्पीकर साहब, अब मै पुलिस की भर्ती के बारे मे कहना चाहूगा कि चौधरी भजन लाल के समय मे पुलिस मे ऐसे ऐसे लडकी की भर्ती की जाती थी जिनके भारीर मे से राम दिखता था, उनकी एक एक पसली दिखती थी यानी इनके समय मे गलत तरीके से पुलिस मे भर्ती की जाती थी और यही कारण है कि

सुप्रीम कोर्ट ने उन्हे निकाल भी दिया। लेकिन हमारी सरका ने बहुत ही तगडे नौजवाने को पुलिस मे भर्ती किया है।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै बलबीर जी को बताना चाहूगा कि वे दोबारा भर्ती हो जायेगे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से दोबारा विपक्ष के नेता को बताना चाहूगा कि 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी,' मेरे कहने का मतलब यह है कि वे दोबारा मुख्यमंत्री नही बनेगे। स्पीकर साहब, विपक्ष के नेता ब्यान देते है कि ये महीने मे चौटाला साहब की सरकार तोड देगे लेकिन ऐसा नही होगा। इस बात का तो ये सपना ही ले। अध्यक्ष महोदय, अंत मै सभी सम्मानित सदस्यो को कहना चाहूगा कि यदि मेरी बात से किसी को ठेस पहुची तो मै उनसे माफी चाहूगा।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, be taken into consderation at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House Will considers the Bill Clause by Clause.

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, be taken into consderation at once.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is

That Schedule be the Shedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iii) दि हरियाणा सिविल सर्विसिज (ऐग्जक्यूटिव ब्राच) एंड एलाइड सर्विसिज एंड अंदर सिर्विजिस कामंन/कम्बाइंड ऐग्जामिने ान बिल, 2002

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Civil Services (Executive Bracne) and Allied Servies and other Servicies Common/Combined Examination Bill, 2002 and will also move the motion for its consderation.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move introduce the Haryana Civil Services (Executive Bracne) and Allied Servies and other Servicies Common/Combined Examination Bill, 2002

Sir, I beg to move

That the Haryana Civil Services (Executive Bracne) and Allied Servies and other Servicies Common/Combined Examination, be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Civil Services (Executive Bracne) and Allied Servies and other Servicies Common/Combined Examination, be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Civil Services (Executive Bracne) and Allied Servies and other Servicies Common/Combined Examination, be taken into consderation at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Clause-2 of Clause -1

Mr. Speaker: Question is

That sub - clause 2 of clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause-3 of Clause -1

Mr. Speaker: Question is

That sub - clause 3of clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker: Question is

That clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried

Clause-5

Mr. Speaker: Question is

That clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried

Clause-6

Mr. Speaker: Question is

That clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried

Sub Clause-1 of Clause -2

Mr. Speaker: Question is

That sub - clause 1 of clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iv) दि हरियाणा एपांर्टमैंट आनरि ाप (अमैडमैंट) बिल, 2002

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana (Appropriation) Bill, 2002 and will also move the motion for its consderation.

नगर तथा ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा कक्ष समूह स्वामित्व (स ाोधन) विधेयक, 2002 प्रस्तुत करता हू।

मै यह भी प्रस्ताव करता हू।

कि हरियाणा कक्ष समूह स्वामित्व (स ाोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाये।

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana (Appropriation) Bill, be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana (Appropriation) Bill, be taken into consderation at once.

The motion was carried.

12.00 बजे।

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker: Question is

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-5

Mr. Speaker: Question is

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried..

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Town and Country Planning Minister will move that the Bill be passed.

नगर तथा ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हू।

कि बिल पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(v) दि हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली (अलाउन्सिज एंड पें ान आफ मैम्बर्ज) अमैडमैंट बिल, 2002

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Legislavtive Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendement Bill, 2002 and will also move the motion for its consderation.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move introduce the Haryana Haryana Legislavtive Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendement Bill, 2002 Sir, I beg to move

That Haryana Legislavtive Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendement Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Haryana Legislavtive Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendement Bill, be taken into consideration at once.

श्री कर्ण सिंह दलाल पलवलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार को एक सुझाव देना चाहूगा। अध्यक्ष महोदय, आपने विधायक को लैप टाप कम्प्यूटर्ज भी दिए हैं ताकि उनको अपने क्षेत्रो मे काम करने मे अधिक सुविधा हो। हर विधायक को अपने विधान सभा क्षेत्र मे काम करने के लिए, अपना सन्दे ा लोगो तक पहुचाने के लिए और लोगो की समस्या को आप तक तथा सरकार तक पहुचाने के लिए एक सन्दे ा पडती है। अध्यक्ष महोदय, जैसे मंन्त्रियो को सहायक दिया जाता है, अगर वैसे ही विधायको को भी 1000–2000 रूपये मासिक के आधार पर सहायक रखने का अधिकार दे दिया जाए तो उससे गुणवता मे सुधार आएगा। विधायको को अपने कागट टाईप करवाने तथा अन्य कामो के लिए इधर उधर आने जाने की सुविधा होगी। अध्यक्ष महोदय, दूसरा आपके माध्यम से मेरा सरकार से यह भी अनुरोध है कि जो जवान सीमाओ पर भाहीद होते है उनको भाव उनके पैतृक गावो मे लाए जाते है जो कि किसी न किसी सदस्य के विधान सभा क्षेत्र मे पडता ही है तो कम से कम सरकार जो तत्तकाल आकस्किम खर्च परिवार पर एकदम आता है उसके लिए विधायक कुछ धन अपनी तरफ से दे सके। होता यह है कि ऐसे समय मे विधायक वहां पर खडा मूक द र्क बना रहता है। तो मै आपके

माध्यम से सरकार से अनुरोधा करता हू कि विधायको को कुछ ऐसे भी अधिकार दे जिसके कि जब हम इस प्रकार कही जाए तो दिल मे यह बात लेकर जाएं कि कुछ धन कम से कम भाहीदो की सेवाओ के बदले मे अपने ऐच्छिक कोटे से जरूर देगे चाहे वह धन सरकार की तरफ से ही दिया जाए लेकिन उसकी घोशणा करने का अधिकार विधायक को होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जो ये इनकी तरफ बैठे है इनमे से कई पढे लिखे नही है और इन्होने तो ये कम्प्यूटर भी बेचने ही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बलबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि हमारे भाई कर्ण सिंह दलाल जी हमारे से ज्यादा पढे लिखे है। मै इस बात को मानता हू। जहां तक कम्प्यूटर बेचने वाली बात इन्होने कही है तो मै इस बारे मे आपके माध्यम से इनको बताना चाहूगा कि जो इनकी म ाां है और इनकी नीयत है वही ये दूसरो के बारे मे सोचते है। इन्होने अपने नेता के साथ क्या किया था इनको तो बेचने के अलावा कोई और बात नजर नही आती है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिह दलालः .....

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठ जांए। कर्ण सिंह जी जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड नही किया

जाए। (ाोर एवम व्यवधान) बलबीर सिंह आपस मे बात नही करे। आप चेयर को एड्रैस करे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रामबीर सिंह (पटौदी अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इस सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा और सदन के सभी सदस्यो को भी इस बात के लिए सरकार का धन्यवाद करना चाहिए कि इन्होने हमारे ऐफि ाएंसी बढाने के लिए, हमारे कार्य क्षेत्र मे काम काज ठीक करने के लिए सदन के 90 के 90 सदस्यो को लैप टाप कम्प्यूटर दिए है। अब इससे हमारी ऐफि ांएसी बढेगी। इसके अलावा इस सरकार ने मैबर्ज को और जो भी फेसिलिटीज दी है उसके लिए भी मै सरकार का धन्यवाद करना चाहूगा।

अध्यक्ष महोदय, हमारे कार्य क्षेत्र मे कार्य करने मे पहले कई दिक्कते होती थी। पहले हमे टेलीफोन का बिल जमा करवाने मे भी दिक्कत होती थी। आज जबकि सभी मैम्बर्ज के पास मोबाईल फोन है तो इस सरकार ने टेलीफोन का भता बढाकर अच्छा काम किया है। इसके साथ ही जब हम कमेटिज के टूर पर जाते है तो ट्रेन मे हमारी एन्आईटलमैंट प्रथम क्लास की है। मै यह कहना चाहता हू कि इस एन्आईटलमैंट को बढाकर कम से कम ए.सी. – 2 स्लीपर तो कर दे। अध्यक्ष महोदय, मै विधान सभा मे आने से पहले मार्किटिंग बोर्ड मे क्लास–2 आफिसर था और

वहां पर मेरी एन्आईटलमैंट ए.सी.–2 स्लीपर की थी लेकिन विधान सभा का सदस्य बन कर मेरी एन्आईटलमैंट प्रथम क्लास की गई है। अब मुझे समझ नही आ रहा है कि विधान सभा का सदस्य बनने के बाद मेरी प्रमो ान हुई है या डिमो ान हुई है? अगर आपकी सरकार हमे प्रोटोकोल के हिसाब से चीफ सैक्रेंटरी के रैक का समझती है तो हमे कम से कम ए.सी.–1 क्लास की फेसिलिटी देने के बारे मे विचार भी करे, यही मेरा अनुरोध है।

चौ0 जय प्रका ा (बरवाला): अध्यक्ष महोदय, जब मै लोकसभा का एम0पी0 था तो मैने वहा पर देखा कि जब वहां पर कमेटीज टूर पर जाती है तो उनके सदस्यो को आने जाने के लिए ट्रेंन मे ए.सी. क्लास की और बाई एयर की फेसिलिटी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है और जैसा कि भाई रामबीर सिंह ने भी कहा है कि ट्रेन मे आने जाने के लिए ए.सी. -II क्लास की फेसिलिटी होनी चाहिए तो मेरा कहना है कि ए.सी. -II क्लास की बजाए बाय एयर की फेसिलिटी दी जानी चाहिए ताकि जो मैम्बर्ज कमेटी के दौरो के वक्त दो दो और तीन तीन दिन गाडियो मे बैठे रहते है जिससे उनका भी और अधिकारियो का भी समय खराब होती है, वह समय खराब न हो। इसके साथ ही मेरा सरकार को एक सुझाव है। जब एक अप्रैल के बाद आंयल डि कंट्रोल होगा और प्राइवेट कम्पनीज के हाथ मे इसका कंट्रोल जाएगा तो डीजल के दाम बहुत बढ जाएगे। अध्यक्ष महोदय, मैम्बर्ज को अब सरकारी भता 5 रूपये प्रति किलोमीटर के हिसाब

से मिलता है। लेकिन आने वाले समय मे पट्रोल/डीजल की महगाई को देखते हुए यदि यह भता उसको 10 रूपए प्रति किलोमीटर कर दिया जाए तो इससे सभी मैम्बर्ज को फायदा होगा। सदन के नेता जो मुख्यमंत्री है, उन्होने भी इस मालमे मे कहा था कि यह 5 रूपए की बजाए 10 रूपए प्रति किलोमीटर होना चाहिए लेनिक पता नही सम्पत सिंह जी क्यों इनती कजूंसी कर गए? अध्यक्ष महोदय, यह मेरी आपसे प्रार्थना है।

श्री कर्ण सिह दलालः स्पीकर साहब, जो एक्स एम.एल. एज. है उनके बारे मे भी सरकार को सोचना चाहिए क्योकि कल को इन्होने भी एक्स एम.एल.एल हो जाना है।

श्री अध्यक्षः आपको एक्स एम0एल0एज0 की चिन्ता हो गई क्या?

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendement Bill, be taken into consderation at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House Will considers the Bill Clause by Clause.

Clause-2 to 5

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 to 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iii) दि हरियाणा सैलरीज एंड अलाउन्सिज आफ मिनिन्टर्ज (अमैडमैंट) बिल, 2002

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Salaries and Allowances of Minister (Amendment) Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move introduce the Haryana Salaries and Allowances of Minister (Amendment) Bill, 2002

Sir, I beg to move

That the Haryana Salaries and Allowances of Minister (Amendment) Bill be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Salaries and Allowances of Minister (Amendment) Bill be taken into consderation at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Salaries and Allowances of Minister (Amendment) Bill be taken into consderation at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2 & 3

Mr. Speaker: Question is

That clause 2 & 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

धन्यवाद

मुख्यमंत्री (चौधरी ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो मै आपका आभार व्यक्त करूगा कि आपने इस सदन को बहुत ही अच्छे ढंग से सुचारू रूप से चलाया और सदन के सभी सम्मानित सदस्यो को खुलकर के बोलने का अवसर प्रदान किया। हरियाणा बनने के बाद भाायद यह पहला अधिवे ान है जो इतने लम्बे समय तक चला हे और सबसे ज्यादा प्रसन्नता की बात यह है कि विपक्ष हमे ा इस इंतजार मे रहता है कि सै ान चले, लंबा सै ान चले लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपकी फिरखदिली ने विपक्ष को बार बार यह कहने को मजबूर किया कि जल्दी छुट्टी हो जाए। (विघ्न) इसके साथ ही मै पूरे सदन के

सम्मानित सदस्यो का व वि ोश रूप से विपक्ष के नेता का आभार व्यक्त करूगा कि उन्होने खु ाअसलूबी से इस सदन की गरिमा को बरकरा रखते हुए बहुत अच्छे ढंग से अच्छे सुझाव दिए जिनसे प्रदे ा की जनता भी लाभान्वित होगी। मै प्रदे ा के अधिकारियों का भी आधार व्यक्त करूंगा कि जो भांकाए, चितांए सदन के सदस्यो के दिमाग मे थी, उनको उन्होने दूर किया व जिस किसी किस्म के प्र ान पूछे गए उनका जवाब बखूबी तैयार किया गया। यह अलग बात है कि विपक्ष के पास पूछने के लिए कुछ था ही नही। विपक्ष के उप नेता जब हम विपक्ष मे होते थे तक खूब चहका करते थे तब इनको बोलने का अवसर नही मिला करता था बकि इस बारे इनको बोलने का पूरा अवसर मिला लेकिन इनके बोलने का अवसर नही मिला करता था जबकि इस बारे इनको बोलने का पूरा अवसर मिला लेकिन इनके पास पूछने के लिए कोई क्वै चन नही था, कोई सप्लीमैट्री नही था। फिर भी मै पूरे सदन का और खास तौर से विपक्ष के लोगो का आभार व्यक्त करूंगा कि परमात्मा उन्हे सद्बुद्धि दे कि वे आगे के लिए हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिए अच्छे सुझाव प्रस्तुत करे। मै अपनी इस बात का पुन दोहराता हू कि जनतात्रिक प्रणाली को बरकराक रखते हुए अगर सम्मानित सदन के किसी भी सदस्य की तरफ से कोई रचानत्मक सुझाव आएगे तो सरकार उन्हे पूरी तरह से मानेगी। आप सबका मै पुनः आभार व्यक्त करता हू। वि ोशकर प्रैस के सदस्यो का मै इस बात के लिए आभार व्यक्त करूंगा उन्होने सदन के कार्यवाही अक्षरक्षा प्रदे ा की जनता को दी। यह

ठीक है कि कुछ ऐसा नेता थे जो बात कम कहते थे और प्रैस की तरफ ज्यादा झाकते थे। प्रैस ने अच्छे ढंग से लोगो तक बात पहुचाने मे अहम भूमिका निभाई। मै आप सबका पुनः आभार व्यक्त करूंगा और उम्मीद है कि अगले सै ान मे और ज्यदा अच्छे सुनियोजित ढंग से अच्छे तरीके से पूरी तरह से तैयार होकर के आप लोग आएगे और बजट पर जिस प्रकार से बोला जा सकता है उसी प्रकार से बोलगे। मांगे राम गुप्ता जी पुराने वित मंत्री रह चके है। मै इनकी इस बात के लिए दाद दूगां कि इन्होने खूद तस्लीम कर लिया कि हम पढकर नही आते है। (विघ्न) मुझे उम्मीद है कि ये आगे से पढकर आएंगे।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the House adjourned sine die.

12.00 hrs.

(The Sabha then adjorned sine die)